दैनिक
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

वर्ष :- 03 अंक :- 115 मुरादाबाद, 13 August 2023 (Sunday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी का विपक्ष पर वार, बोले- इन लोगों ने मणिपुर की जनता के साथ विश्वासघात किया; TMC को भी घेरा

पीएम मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवारों को धमकाने और बूथ कैप्चरिंग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ज्ञस्ष्ट के टोलाबाजों की फौज वोटिंग में ठप्पेबाजी की फौज बन जाती है। सारे गुंडों को कॉन्ट्रैक्ट दिया जाता है कि कितने पोलिंग बूथ को कौन कैप्चर करेगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पश्चिम बंगाल के हावड़ा में हो रहे भाजपा के पंचायती राज परिषद कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने मणिपुर मामले में सिफ राजनीति की है। विपक्ष ने मणिपुर के लोगों के साथ सिर्फ विश्वासघात किया है। वे मणिपुर पर चर्चा ही नहीं करना चाहते थे। संसद में अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए, फिर वोटिंग से भाग गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने संसद में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को हराया और पूरे देश में नकारात्मकता फैलाने वालों को करारा जवाब दिया। विपक्ष के सदस्य संसद बीच में ही छोड़कर चले गए। सच तो यह है कि वे अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग से डर गए थे।

विपक्ष को सदन से भागते हुए पूरे देश ने देखा- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि विपक्ष को सदन से भागते हुए पूरे देश ने देखा। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन लोगों ने मणिपुर के लोगों को इतना बड़ा धोखा दिया। सत्र शुरू होने से पहले देश के गृह मंत्री ने इन राजनीतिक दलों को पत्र लिखकर कहा था कि वह मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं।

मणिपुर पर विस्तृत चर्चा होना जरूरी है- प्रधानमंत्री

उन्होंने कहा कि मणिपुर पर विस्तृत चर्चा होना जरूरी है, लेकिन असल में क्या हुआ, आप सब देख सकते हैं। विपक्ष ने ऐसा नहीं होने दिया! अगर इतने संवेदनशील विषय पर चर्चा होती तो मणिपुर के लोगों को राहत महसूस होती। उस मुद्दे के समाधान के लिए कुछ समाधान निकल आते, लेकिन विपक्षी लोग इस पर चर्चा नहीं करना चाहते थे। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें पता था कि मणिपुर की सच्चाई उन्हें सबसे ज्यादा चुभने वाली है।

विपक्ष को दुख-दर्द से कोई मतलब नहीं- पीएम

उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों के दुख-दर्द से कोई मतलब नहीं है, उन्हें तो बस राजनीति से मतलब है। यही कारण था कि उन्होंने चर्चा से बचने का फैसला किया और अविश्वास प्रस्ताव लाकर राजनीतिक बहस को प्राथमिकता दी।

पंचायत चुनाव को लेकर TMC को घेरा

पीएम मोदी ने तृणमूल कांग्रेस पर पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवारों को धमकाने और बूथ कैप्चरिंग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे

यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं कि कोई भी भाजपा उम्मीदवार नामांकन दाखिल न कर सके। वे न केवल भाजपा कार्यकर्ताओं को बल्कि मतदाताओं को भी धमकाते हैं। बूथ पर कब्जा करने के लिए ठेके दिए जाते हैं। यह राज्य में राजनीति करने का उनका तरीका है। ज्ञस्ष्ट के टोलाबाजों की फौज वोटिंग में ठप्पेबाजी की फौज बन जाती है। सारे गुंडों को कॉन्ट्रैक्ट दिया जाता है कि कितने पोलिंग बूथ को कौन कैप्चर करेगा।

कानून बना दिल्ली सेवा विधेयक, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी; सात अगस्त को संसद से हुआ था पारित

दिल्ली सेवा विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंजूरी दे दी है। इसी के साथ अब यह कानून बन गया है। भारत सरकार की अधिसूचना में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अधिनियम 2023 को लागू करने की जानकारी दी गई है। इससे पहले सरकार ने सात अगस्त को संसद से दिल्ली सेवा विधेयक पारित हो गया था। राज्यसभा ने 102 के मुकाबले 131 मतों से 'दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक 2023' को मंजूरी दी थी। लोकसभा ने इसे तीन अगस्त को पास कर दिया था। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 11 मई को फैसला सुनाते हुए कहा था कि दिल्ली में जमीन, पुलिस और कानून-व्यवस्था को छोड़कर बाकी सारे प्रशासनिक फैसले लेने के लिए दिल्ली की सरकार स्वतंत्र होगी। अधिकारियों और कर्मचारियों का ट्रांसफर-पोस्टिंग भी कर पाएगी। उपराज्यपाल इन तीन मुद्दों को छोड़कर दिल्ली सरकार के बाकी फैसले मानने के लिए बाध्य हैं। इस फैसले से पहले दिल्ली सरकार के सभी अधिकारियों के स्थानांतरण और तैनाती उपराज्यपाल के कार्यकारी नियंत्रण में थे। हालांकि, कोर्ट के फैसले के एक हफ्ते बाद 19 मई को केंद्र सरकार एक अध्यादेश ले आई। केंद्र ने %गवर्नमेंट ऑफ नेशनल कैपिटल टेरिटरी ऑफ दिल्ली ऑर्डिनेंस, 2023% लाकर प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति और तबादले का अधिकार वापस उपराज्यपाल को दे दिया। इस अध्यादेश के तहत राष्ट्रीय राजधानी सिविल सर्विसेज अथॉरिटी का गठन किया गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री, दिल्ली के मुख्य सचिव और गृह सचिव को इसका सदस्य बनाया गया। मुख्यमंत्री इस अथॉरिटी के अध्यक्ष होंगे और बहुमत के आधार पर यह प्राधिकरण फैसले लेगा। हालांकि, प्राधिकरण के सदस्यों के बीच मतभेद होने पर दिल्ली के उपराज्यपाल का फैसला अंतिम माना जाएगा। दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला सुनाया था, वह केजरीवाल सरकार के पक्ष में था। ऐसे में इसे कानून में संशोधन करके या नया कानून बनाकर ही पलटा जाना संभव था। संसद उस वक्त चल नहीं रही थी, ऐसे में केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर इस कानून को पलट दिया। छह महीने के अंदर संसद के दोनों सदनों में किसी भी अध्यादेश को पारित कराना जरूरी होता है। इसीलिए सरकार संसद के मानूसन सत्र के दौरान दोनों सदनों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 लेकर आई और इसे पास कराया।

भाकियू का एलान: अगला लक्ष्य 2024 का लोकसभा चुनाव, नरेश टिकैत बोले- किसान दिखाएंगे अपना गुस्सा

भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य लोकसभा चुनाव है, जिसमें किसान अपना गुस्सा दिखायेंगे। उन्होंने कहा कि देश में एक ही राष्ट्रीय पार्टी होनी चाहिए। सभी पार्टियों से अच्छे-अच्छे नेताओं को चुनकर एक पार्टी बन जाएं तो खर्च भी कम होंगे। जिस गठबंधन में इंडिया शब्द का इस्तेमाल किया गया हो वह अच्छा ही होगा। बड़ा सोच विचार कर इसका नाम रखा गया है। दोघट कस्बे में पत्रकारों से रूबरू हुए भाकियू अध्यक्ष नरेश टिकैत ने कहा कि भाकियू का अगला कदम 2024 का लोकसभा चुनाव होगा, जिसमें किसान अपना गुस्सा दिखाएंगे। कहा कि देश में एक ही राष्ट्रीय पार्टी बनानी चाहिए। दोघट कस्बे में राजेंद्र चौधरी के आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों की अनदेखी कर रही है। कृषि यंत्र ट्रैक्टर को कमर्शियल वाहन श्रेणी में शामिल कर दिया है। नरेश टिकैत बोले कि दस साल में ट्रैक्टर का कुछ नहीं बिगड़ा। ट्रैक्टर को कृषि यंत्र में शामिल किया जाए। गन्ने का भुगतान नहीं हो रहा है। किसानों की आर्थिक स्थिति खराब है। यमुना, हिंडन, कृष्णा व अन्य नदियों में बढ़े जलस्तर से बर्बाद हुई किसानों की फसलों एवं मकानों के नुकसान की भरपाई सरकार को करनी होगी। तहसील स्तर पर टीम गठित कर नुकसान का आंकलन कराकर किसान राहत कोष से इसकी भरपाई अति शीघ्र की जाए। भाकियू का अगला कदम 2024 का चुनाव भी है। किसान अपना गुस्सा चुनाव में उतारेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों की सरकार से बड़ी नाराजगी है। सरकार अपने एक भी वायदे पर खरी नहीं उतरी। पहले की सरकार से हर मुद्दे पर आमने सामने बैठकर बातचीत होती थी। उनकी बातें मानी जाती थी। भाजपा ने किसानों को बर्बाद कर दिया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त विधेयक पर राजनीति हुई तेज, सीएम ममता बोलीं- माई लॉर्ड, हमारे देश को बचा लो

संसद में पेश किए गए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े विधेयक को लेकर विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।केंद्र सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के चयन से संबंधित एक बिल पेश किया था, जिसको लेकर अब राजनीति तेज हो गई है। ममता बनर्जी ने इस बिल पर मोदी सरकार की निंदा की और निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा अराजकता पर उतर आई है और वह न्यायपालिका को नहीं मानती है। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने ट्विटर पर कहा कि इस हफ्ते सीईसी की नियुक्ति के लिए तीन सदस्यीय पैनल में सीजेआई की भूमिका महत्वपूर्ण है। हम चुनाव आयुक्त के चयन में सीजेआई की जगह कैबिनेट मंत्री को लाने का कड़ा विरोध करते हैं।

माई लॉर्ड हमारे देश को बचाइए

आगे सीएम बनर्जी ने कहा कि इस प्रक्रिया से असुविधा होगी और वोटों में हेरफेर हो सकता है जिससे नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि भारत को न्यायपालिका के प्रति इस घोर उपेक्षा पर सवाल उठाना चाहिए। हम भारत के लिए न्यायपालिका से अपील करते हैं कि माई लॉर्ड हमारे देश को बचाइए। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े इस विधेयक पर विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य चुनाव आयोग को प्रधानमंत्री के हाथों की कठपुतली बनाना है। वहीं अरविंद केजरीवाल ने एक ट्वीट में कहा कि यह बिल दिखाता है कि प्रधानमंत्री संसद में बिल लाकर सुप्रीम कोर्ट के किसी भी फैसले को बदल देंगे जो उन्हें पसंद नहीं आएगा।

केंद्र ने मणिपुर में अत्याचार में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र ने मणिपुर में अत्याचार करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार पर नहीं बोल सकते क्योंकि उनकी सरकार पीएम केयर फंड, राफेल डील और नोटबंदी जैसे मुद्दों से घिरी हुई है। टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि पीएम बिना किसी सबूत के विपक्ष पर आरोप लगा रहे हैं क्योंकि बीजेपी नहीं चाहती कि देश के गरीब लोग जीवित रहें। आगे बोलीं कि प्रधानमंत्री देश को गुमराह कर रहे हैं। वह बिना किसी सबूत के बोल रहे हैं। भाजपा नहीं चाहती कि देश में कोई भी गरीब बचे। वह भ्रष्टाचार पर नहीं बोल सकते, क्योंकि भाजपा सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के कई आरोप हैं। आगे ममता बनर्जी ने कहा कि विपक्ष संसद में मणिपुर पर चर्चा नहीं चाहता है, भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्य में अत्याचारों में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। पश्चिम बंगाल में भी ग्रामीण चुनावों के दौरान उनके (भाजपा) द्वारा 15-16 लोगों की हत्या कर दी गई है।

नशा मुक्त प्रदेश-सशक्त प्रदेश: मुख्यमंत्री योगी की युवाओं से अपील- नाश का कारण है नशा, इससे बचकर रहें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नशा मुक्त प्रदेश-सशक्त प्रदेश अभियान का शुभारंभ करते हुए युवाओं से अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों में लगाने की अपील की है।

उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की बात कही है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ में नशा मुक्त प्रदेश-सशक्त प्रदेश अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने युवाओं से अपील की है कि नशा नाश का कारण बनता है।

इससे बचकर रहें।उन्होंने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर युवाओं को बधाई भी दी। इस मौके पर उन्होंने ट्वीट कर कहा कि सभी युवा साथियों को %अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस% की हृदय से बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं! आइए, इस अवसर पर आत्मनिर्भर भारत-समर्थ भारत-आधुनिक भारत की निर्माण-यात्रा को और अधिक सशक्त-समृध्द करने में अपना योगदान देने हेतु सकंल्पित हों। मुख्यमंत्री योगी ने अपने भाषण में कहा कि हमारा युवा स्वावलंबी बने और उसके स्वावलंबन से हमारा प्रदेश तथा देश आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त कर सके, इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा अपनी ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक कार्यों में करें तो आपका भविष्य उज्ज्वल होगा।

संपादकीय Editorial

PM's incomplete statement

The no-confidence motion of the opposition was defeated in the Lok Sabha. This result was already decided, as the majority figure was one-sided. Anyway, after the debate, the opposition could not demand a division as it had walked out in the middle of the Prime Minister's speech. Prime Minister Modi spoke for a total of 2 hours 13 minutes. After about an hour and a half passed, he came to Manipur and Northeast. Before that, he called the opposition alliance 'arrogance'. Talked about familyism and courtism. Termed the behavior of the opposition as 'ostrich'. The Congress statement of 'grave will be dug' is considered as a 'tonic' for itself. Said about the 'secret boon' of the Congress that whoever it wishes bad for, it will be good for him. The Prime Minister claimed in Parliament itself that in 2024, breaking all records, the BJP-NDA will return to the government for the third time in a row, with the blessings of the people. In the third term of the government itself, India will become the third largest economy in the world. Actually there was no innovation in the Prime Minister's statement. He continued to attack and satirize the Gandhi family, the Congress and the 'India' alliance, as this has been his politics for more than four decades. The Prime Minister turned his back on 'poverty' that 13.5 crore people have come out of poverty during his regime. This is the report of NITI Aayog. Quoting the International Monetary Fund does not make the truth clear. The Prime Minister did not reveal how many poor people are there in the country and how much population is still below the poverty line? RSS Sarkaryavah (General Secretary) Dattatreya Hosabale had said that even today 235 million people are poor or living below the poverty line. They are unable to even earn Rs 350 a day. Make a comparative disclosure of the reports of Prime Minister Niti Aayog and Dattatreya that what is the reality? Also clarify whether the new definition of poverty line has been fixed that how much income a citizen will come under its purview? The question is also that despite the end of Corona, why more than 80 crore Indians have to be given 5 kg of free food grains every month? Of course, the Prime Minister has cited the report of the World Health Organization and said that the 'Jal-Jeevan' scheme has saved the lives of 4 lakh people and 3 lakh people have been saved from dying. Who are these people – the poor, the downtrodden, the exploited, the deprived and the backward villagers. That is, such a group still exists in the country. How can they be kept out of poverty? The Prime Minister did not mention the appalling reality of malnutrition and anemia among women and children in the country. Even more deaths have been happening than that. The worrying situation is that these poor people do not have enough resources to get their treatment done. Not all the poor are benefited under the 'Ayushman' scheme. However, Prime Minister Modi has expressed hope to the people of Manipur that a new sun of peace will rise soon. The whole country, the whole House is with Manipur, but even after 100 days of the period of violence, what is the situation today, the Prime Minister did not even mention it. The average picture of the sensitive areas of Manipur is that the burnt settlements, broken houses, closed, deserted markets are telling the horrifying reality of today. Over 40,000 people are crammed into around 350 relief camps. Most are women and children. There are weapons in the hands of the youth in the name of caste or social status – indigenous as well as modern. When children cry for milk in the camps, the mothers feed them biscuits and put them to sleep. Many women are pregnant. There are no medicines, no adequate diet and no nurses to take care of their health. The youth have left their books and kept arms and are guarding outside the bunkers.

Pakistan's Political Fiza

After the resignation of the Prime Minister of Pakistan, Shehbaz Sharif, the search for a caretaker Prime Minister is still on in this country, but the whole world knows that this work cannot be done without the will of the army of this country. After resigning from the office, the search for the acting Prime Minister is still on in this country, but the whole world knows that this work cannot be done without the will of the army of this country, because Pakistan is the only country in the whole world where the country does not have an army but There is a 'country of the army'. Shehbaz Sharif tendered his resignation under the Constitution of Pakistan because the term of its National Assembly is coming to an end and a caretaker government is set up to hold free and fair elections in the country until the next elections are held. This system has been going on in Pakistan since 1985. However, its democracy is considered to be half-incomplete and just a shadow of military dictatorship. Now the favorable situation is that it may happen that instead of being held in the month of October, the elections in the country may be held in the month of February-March next year. If this happens, during that time the relation of Loksabha elections in India would have been tied and in that case what kind of relationship would be formed between New Delhi and Islamabad so that both the countries could not do any work affecting each other's politics. However, in the past, there used to be an unwritten agreement between the two countries that when the election process of each other country starts, no such action should be taken which could affect their politics. But after 2014, Pakistan stopped showing this decency and did such acts many times which made Indian politics unstable. Many examples can be given of this. But the Shehbaz Sharif government that was formed last year in Pakistan by the Muslim League (Noon) party was formed barely by toppling the then Imran Khan's government through a no-confidence motion in the National Assembly, because the then Vicerezam Imran Khan had given the whole assembly his dynasty. He had considered its chairman as his property and kept all the democratic rules in his pocket, due to which the Supreme Court opened its doors in the middle of the night and evicted the Imran Khan government. Then Imran Khan was called 'Ain Shikan' i.e. law breaker all over Pakistan. It had gone so far that none other than the President had refused to administer the oath of office and secrecy to the new Prime Minister, Azam Shahbaz Sharif, because he had reached this position with the help of Imran Khan's Tehreek-e-Insaf. Well, these are the internal issues of Pakistan's half-baked democracy, but now the reality is that elections are to be held in Pakistan, which should be held within 90 days after the resignation of Shehbaz Sharif, but there is a screw stuck in it that the government here has introduced new digital technology. Ordered to conduct an opinion poll. The last census was held in 2017 in which the population of Pakistan was 21 crores. In the new census, this population has come to 24 crores. The law is that the elections must be held with the latest opinion poll data. This work cannot be done without new delimitation of constituencies. This work will be done by the Election Commission of Pakistan and it has said that it will take at least 120 days. That's why it is being speculated that the elections will be held in February-March next year. But in these elections Sabik or former Vazirazam Imran Khan cannot participate because the court has sentenced him to five years in the famous Toshakhana corruption case and he is currently in jail. However, the way to go to the High Court and the Supreme Court is open for them. The Pakistan Army's interference in governance in Pakistan is such that it not only makes its loyal leaders prime ministers but also rigs the elections in favor of their political groups. When Imran Khan came to power in 2018, he raised the slogan 'Balla Ghumao-Bharat Harao'. Even then there were allegations that the army rigged the ballot papers in favor of Imran Khan's party Tehreek-e-Insaf. But Imran Khan's government had tried to enact this law that elections should be conducted through EVM machines, which was strongly opposed by the people of Pakistan. From this, the reliability of EVM machines can be estimated. But Shahbaz Sharif's government has made another legal amendment that the caretaker government formed for the election period will have full powers and it will be able to take far-reaching decisions on all important matters ranging from Pakistan's foreign policy. Because of this, there is increasing hue and cry all over Pakistan as to who will be the caretaker Prime Minister. For this reason, this issue is also being raised that if the national elections of India and Pakistan are held almost simultaneously, then what will be its effect?

Why the controversy over the bill related to the appointment of election commissioners? Know the reason for opposition's opposition

The opposition is opposing the bill, in which the three-member committee to select the Election Commissioner will have a cabinet minister in place of the Chief Justice. The job of the Election Commission is to conduct elections. Similarly, it is not the job of the government to choose the Election Commissioner on its own. But this question has arisen with the new bill, in which the government has set a new basis for the selection of the Election Commissioner. If the new bill becomes law, the election commissioners will be selected by the prime minister, the leader of the opposition or the leader of the largest opposition party in the Lok Sabha, and a senior minister in his own cabinet nominated by the prime minister. It is clear that the possibility or apprehension of the two leaning towards one side will remain, so the opposition is opposing it. Earlier, the Prime Minister used to sit with the cabinet and decide the name of the Election Commissioner. In such a situation, no matter how impartial the Election Commissioner was, he used to be branded. There was criticism of this system, but there was no change. Meanwhile, the CBI Director, the Chief Information Commissioner or the Chief Vigilance Commissioner all continued to be appointed by a committee, in which the Prime Minister and the Leader of the Opposition were given space. But in the case of the Election Commissioner, the government kept on taking exemption, on which there were controversies and also litigation in the court. One such case reached the Supreme Court, in which an IAS officer of the Punjab cadre was made the Election Commissioner within six hours of his retirement. Then the Supreme Court ruled that until the government brings a new bill on the appointment process, the Election Commissioner will be appointed by the Prime Minister, the Leader of the Opposition and the Chief Justice of the Supreme Court. But in the new bill the role of the Chief Justice has been abolished. It is being argued that the Chief Justice may be a knower of the law, but he may not necessarily be aware of the working of government officials at the level of secretary. An argument was also given that since the issue of the Election Commissioner has gone to the court, therefore It is not proper for the Chief Justice to be a part of the appointment process. But the CBI director is also selected by the CJI along with the Prime Minister and the leader of the opposition and the Supreme Court also hears the cases of the CBI, so why should the CJI be considered a moral limitation in the appointment of the Election Commissioner? Provision has been made in the bill that now the names of officers below the level of secretary will not be considered. A select committee will be formed under the chairmanship of the cabinet secretary, who will make a selection committee of five names and the committee will consider them. Welcoming this, the former Chief Election Commissioner is saying that earlier anyone was made the Election Commissioner, but now this will not happen. But the bill says that if the committee wishes, it can appoint any other person as election commissioner other than the names sent. Experts say that this is an avenue of interference. According to former Chief Election Commissioner SY Qureshi, there should be a provision in the bill that the committee should unanimously agree on a name. He says that people all over the world are losing faith in the credibility of the Election Commission. During the last presidential election in America, 40 percent of the voters expressed doubts about the election process. How can the Election Commission influence elections? One, announce the dates and phases of elections as per the convenience of the ruling party. A long election proves beneficial for parties with money, because smaller parties start gasping only after the second phase. Two, questions have been raised on the Commission regarding addition or deletion of names in the voter list. Three, the Commission has been facing allegations of partiality regarding the implementation of the election code of conduct. Elections are also affected by issuing notices on the speeches of the leaders of the opposition parties ignoring the speeches of the leaders of the ruling party. The commission has taken many steps regarding EVM machines, yet questions arise. TN Seshan had given edge to the Election Commission while being the Election Commissioner. Once he said in front of the then Prime Minister Narasimha Rao that no one should have the misconception that Seshan is a horse and the Prime Minister is a rider. Has anyone else been able to do such a thing?

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़,पंजाब का तेजी से बढ़ता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

अनुज हत्याकांड : सहमे प्रत्यक्षदर्शी बोले- पहली बार देखी ऐसी मौत

मुरादाबाद- बिना नंबर की बाइक से हमले के 20 मिनट पहले सोसाइटी में घुसे थे हमलावर, पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसाइटी में भाजपा नेता अनुज चौधरी की हत्या के बाद शुक्रवार को कोई खास चहल-पहल नहीं रही। दोपहर को दूर-दूर तक सोसाइटी में फ्लैट से बाहर कोई व्यक्ति नजर नहीं आ रहा था। गेट पर भी कोई हलचल नहीं थी। शाम छह बजे के दौरान फ्लैट के बाहर कुछ बच्चे जरूर दिखे लेकिन, कोई भी पुरुष-महिला वॉक करते नहीं दिखा। सोसाइटी परिसर में रोजाना अंदर अनुज व उनका दोस्त पुनीत और जोसेफ वॉक कर रहे थे। अनुज को हमलावरों ने पुनीत और जोसेफ के सामने ताबड़तोड़ फायरिंग कर मौत के घाट उतारा। घटना के दौरान अनुज पुनीत व जोसेफ से सबसे बाएं थे।

पुनीत बीच में और जोसेफ दाएं था। अनुज व पुनीत बिल्कुल पड़ोस में और जोसेफ इनके दाएं कुछ फासले पर था। गोली की आवाज और अनुज को सड़क पर गिरता देख जोसेफ अपने को

सुरक्षित कर दूर भागे और दौड़ते हुए इंट्री गेट पर पहुंचकर गार्डों को बताया था। गार्ड भी दौड़ते हुए घटना स्थल पर आए थे। जोसेफ दक्षिण भारत के रहने वाले हैं और वह सोसाइटी में टॉवर-5 में रहते हैं। टीएमयू अस्पताल में जॉब करते हैं। घटना का जिक्र करने पर जोसेफ ने हैरत जताते हुए कहा कि वह कैसे बच गए, वह ईश्वर के शुक्रगुजार हैं। कहा, वह पुनीत व अनुज के बराबर चलकर वॉक कर रहे थे। जोसेफ बोले, वह बहुत ही डरे हैं। उनके सामने जिंदगी में पहली बार इस तरह के हमले में किसी की हत्या हुई, जिसे उन्होंने अपनी आंखों से देखा है।

डरे-सहमे जोसेफ को रात भर नींद नहीं आई। जोसेफ ने ये भी बताया कि अनुज चौधरी घटना के समय जिस ट्रैक पर वॉक कर रहे थे, उस ट्रैक पर इससे पहले कभी उन्होंने अनुज को वॉक करते नहीं देखा। यह ट्रैक अनुज के फ्लैट से उलटा पड़ता है। वैसे अनुज अपने फ्लैट के सामने ही वॉक किया करते थे। इंट्री गेट पर ड्यूटी कर रहे गार्ड मानक ने बताया कि घटना से करीब 20 मिनट पहले हमलावर सोसाइटी में बिना नंबर वाली काली रंग की नई स्पलेंडर बाइक से घुसे थे। इन्हें रोका तो बोले कि अनुज भइया से मिलने जा रहे हैं। इसलिए पूर्व में अनुज के द्वारा उनसे मिलने को आने वालों का गेट पर न रोकने की बात पर उन्होंने बाइक सवारों को रोका नहीं। सोसाइटी में ड्यूटी पर मौजूद सुपरवाइजर मोहित शर्मा और गेट नंबर दो पर ड्यूटी कर रहे गार्ड सुभाष चंद्र शर्मा ने बताया कि घटना के बाद से वह लोग घर नहीं लौटे हैं। पुलिस उन लोगों से थोड़ी-थोड़ी देर में आकर पूछताछ कर रही है।

सोसाइटी के दूसरे गेट पर जड़ा ताला

पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसाइटी के दूसरे गेट पर शुक्रवार को पूरे दिन ताला जड़ा रहा। हालांकि, गेट पर गार्ड सुभाष चंद्र शर्मा ड्यूटी देते रहे। उन्होंने बताया कि घटना को देखकर सुरक्षा कारणों से गेट पर ताला लगाया गया है। भाजपा नेता अनुज चौधरी हत्याकांड में चार-पांच संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ चल रही है। अभी इस मामले में कुछ कहना जल्दबाजी होगी। नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें संबंधित स्थलों पर जाकर दबिश दे रही हैं। जल्द ही घटना का राजफाश करेंगे।- अखिलेश भदौरिया, पुलिस अधीक्षक नगर

बदमाशों ने भोगपुर क्षेत्र में युवक को दौड़ाकर मारी गोली, हथियार लहराकर मौके से भाग निकले आरोपी

मुरादाबाद जिले के थाना भोजपुर में बदमाशों ने युवक को गोली मार दी। इससे दो दिन पहले भाजपा नेता अनुज चौधरी को गोली मार दी थी। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। मुरादाबाद में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। भोजपुर थाना क्षेत्र निवासी विक्की नामक युवक को बदमाशों ने दौड़ाकर गोली मार दी। उसे गंभीर हालत जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। तीन दिनों के भीतर दो लोगों को गोली मारने की घटना के बाद कानून व्यवस्था पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। इससे पहले दस अगस्त बृहस्पतिवार को नया मुरादाबाद के पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसायटी में भाजपा नेता एवं असमोली ब्लॉक प्रमुख पद के प्रत्याशी रहे अनुज चौधरी (35) की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिस समय घटन हुई वह अपने दोस्त के साथ सोसायटी में ही सड़क पर टहल रहे थे, जबकि उनका गनर और स्टाफ फ्लैट में मौजूद था। परिजनों ने चुनावी रंजिश को

वजह बताते हुए असमोली ब्लॉक प्रमुख के पति और उसके बेटे सहित चार पर मुकदमा दर्ज कराया है। संभल जिले के एचौड़ा कम्बोह थाना क्षेत्र के अलिया नेकपुर निवासी अनुज चौधरी मझोला क्षेत्र में पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसायटी में टावर टी-7 के फ्लैट नंबर 401 और 402 में रहते थे। उन्होंने असमोली ब्लॉक के प्रमुख का चुनाव लड़ा था। संभल पुलिस से उन्हें एक सरकारी गनर मिला था। अनुज ने अपनी सुरक्षा में दो निजी गनर भी रखे थे। रोज की तरह अनुज बृहस्पतिवार शाम छह बजे सोसायटी में ही अपने दोस्त पुनीत निवासी संभल के साथ टहल रहे थे। वह टहलते हुए गेट संख्या एक के सामने सड़क पर पहुंच गए। इस दौरान पीछे से बाइक पर तीन बदमाश आए। बाइक चला रहे बदमाश ने हेमलेट पहन रखा था। जबकि पीछे बैठे दोनों बदमाश बेनकाब थे। तीनों ने 315 बोर तमंचे और पिस्टल से अंधाधुंध गोलियां चला दीं। सिर, पीठ और कंधे में गोली लगने पर अनुज मौके पर ही गिर गए। साथी पुनीत जान बचाने के लिए पार्क की ओर दौड़ा तो बदमाशों ने उस पर भी फायरिंग की, जिसमें वह घायल हो गया। फायरिंग की आवाज सुनकर आस पड़ोस के लोग अपने फ्लैटों से बाहर निकले तो बदमाश गेट संख्या एक से भाग गए।

भाजपा नेता अनुज चौधरी के सभी दुश्मन हो गए थे दोस्त, जेल से रची गई थी हत्या की साजिश

मुरादाबाद -मुरादाबाद में भाजपा नेता अनुज चौधरी की पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसायटी में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच में पता चला है कि भाजपा नेता के सभी दुश्मनों ने हाथ मिला लिया था। इसके लिए कुछ दिन पहले एक नेता ने जेल में कई लोगों से मुलाकात की थी। मुरादाबाद में हुई भाजपा नेता अनुज चौधरी की हत्या का ताना बाना जेल में बुना गया था। यहां उम्रकैद की सजा काट रहे एक कैदी से अनुज चौधरी के दुश्मन मुलाकात करने पहुंचे थे। लंबी चर्चा करने के बाद जेल से बाहर आते ही भाजपा नेता को पार्श्वनाथ सोसायटी में गोलियों से भून दिया गया था। पुलिस ने संदिग्ध से पूछताछ की तो इस तरह क्लू हाथ लगे हैं। जिस पर पुलिस टीमें लगातार काम कर रही हैं। मझोला के नया मुरादाबाद स्थित पार्श्वनाथ प्रतिभा सोसायटी में बृहस्पतिवार शाम छह बजे

गोलियां मारकर मौत के घाट उतारे गए भाजपा नेता अनुज चौधरी के दोस्तों की लिस्ट लंबी है। दुश्मनों की भी संख्या कम नहीं है। संभल के अलिया नेकपुर निवासी अनुज चौधरी के दादा की 2013 में मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि इस मामले में अनुज चौधरी के परिवार की ओर से गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया गया था। जिसके बाद गांव में अनुज के परिवार की रंजिश दूसरे परिवार से शुरू हो गई थी। तब अनुज अपने परिवार के साथ अमरोहा के हसनपुर के बुखारीपुर गांव में चले गए थे। इसके बाद भी अनुज चौधरी ने अपनी राजनीति संभल में सक्रिय रखी। जिस कारण असमोली की ब्लॉक प्रमुख के पति प्रभाकर और उनके बेटे अनिकेत से रंजिश बढ़ती जा रही थी। इसके अलावा अनुज ने प्रॉपर्टी के धंधे में भी किस्मत अजमाई। जिसमें वह तेजी से आगे बढ़ा। यहां भी दुश्मनों की संख्या बढ़ती चली गई। साथ ही दोस्त भी बनते चले गए। दो सितंबर 2020 को अमरोहा में केजीके कॉलेज के पूर्व छात्र नेता एवं संभल के भवालपुर निवासी मोहित चौधरी पर हमला हुआ। जिसमें मोहित चौधरी सात गोलियां चली गई थीं। इस हमले की साजिश रचने में भी अनुज का नाम सामने आया था। मोहित का परिवार भी अनुज से रंजिश रखने लगा था। इसके बाद अनुज ने रहने के लिए सुरक्षित स्थान मुरादाबाद में चुना था। पुलिस सूत्रों का दावा है कि अनुज के अधिकांश दुश्मन एक हो गए थे। इसके लिए उन्होंने एक मजबूत प्लानिंग की थी। जिसकी पूरी साजिश जेल में रची गई थी। सोसायटी में कुछ लोगों को अपने विश्वास में लिया गया था। जिसके बाद शूटरों को आने जाने में कोई दिक्कत न हो। घटना वाले दिन शूटर पहले ही सोसायटी में पहुंच गए थे। इसके बाद ही इस वारदात को अंजाम दिया गया था। जांच में सामने आया है कि कुछ लोगों ने दो दिन पहले ही जेल में अनुज के एक दुश्मन से मुलाकात की थी। कुछ संदिग्धों से पूछताछ की गई है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और संदिग्ध लोगों से पूछताछ में अहम सुराग हाथ लगे हैं। जिसके जरिए कड़ी से कड़ी जोड़कर हत्याकांड का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है। -हेमराज मीना, एसएसपी

रामपुर में चार साल से रह रहा था फिजी परिवार, मेरठ में दूसरी शादी करने के चक्कर में खुल गया भेद

मुरादाबाद -फिजी निवासी युवक को पुलिस ने मेरठ से गिरफ्तार किया है। वह रामपुर में अपने तीन बच्चों के साथ रहता था। खुफिया तंत्र ने विदेशी परिवार के सदस्यों से पूछताछ शुरू कर दी है।रामपुर में पिछले चार साल से विदेशी परिवार वीजा खत्म होने के बाद छुपकर रह रहा था। युवक के मेरठ में पकड़े जाने के बाद खुफिया तंत्र व पुलिस सक्रिय हो गई। खुफिया तंत्र व पुलिस ने रामपुर में रह रहे विदेशी परिवार के सदस्यों से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस भी इस मामले की जांच कर रही है।मेरठ पुलिस ने रामपुर के सिविल लाइंस क्षेत्र की सेंट्रल कालोनी में रहने वाले सैय्यद फैजल असलम खां पुत्र सैय्यद करीम को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक फैजल फिजी नागरिक है। उसे पुलिस ने पासपोर्ट न होने के कारण गिरफ्तार किया है। मेरठ पुलिस

की पूछताछ से उसने खुलासा किया कि वह रामपुर में परिवार समेत रह रहा है। वह 2019 में रामपुर में आया था। उसने रोबीना से विवाह कर लिया था। इसके बाद तीन बेटियां हुईं। पुलिस के अनुसार यह चारों लोग रामपुर में रह रहे थे। पुलिस के अनुसार फैजल 26 फरवरी को 2019 को हांगकांग होते हुए भारत आया था। पुलिस के अनुसार तीनों बच्चे फिजी में पैदा हुए हैं। यह टूरिस्ट वीजा पर भारत आये थे। इनका वीजा 26 अप्रैल 19 को खत्म हो गया था। मेरठ पुलिस के इनपुट के बाद रामपुर पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने फैजल के परिवार के सदस्यों से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार शुक्ला के अनुसार परिवार के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है। जैसा भी सामने आएगा उस बारे में खुलासा किया जाएगा।

नवंबर में आएगा पंजाब का आलू, स्थानीय दिसंबर में...प्याज की कीमत में लगे पंख

उम्मीद: अभी थोक में 16 से 23 रुपये प्रति किलो बिक रही है प्याज, मंडी में आगरा, अलीगढ़, हल्द्वानी से आ रहा आलू

मुरादाबाद- अब आलू के संग प्याज की कीमत में भी पंख लग गए हैं। तीन माह पहले मंडी में 10 से 12 प्रति किलोग्राम की दर से बिकने वाला आलू अब 16 से 18 रुपये थोक भाव में बिक रहा है। फुटकर में आलू 25 से 30 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बिक रहा है। जबकि, प्याज के दाम भी बढ़ रहे हैं। थोक में 16 से 23 रुपये कीमत वाली प्याज फुटकर बाजार में 30 रुपये है। स्थानीय आलू दिसंबर में आएगा, जबकि

नवंबर में पंजाब से आलू की खेप आने लगेगी। थोक मंडी में बाहर से आलू आ रहा है, जिससे इसके भाव बढ़ रहे हैं। क्योंकि आलू हर सब्जी में प्रयोग होता है। थोक मंडी में तीन माह पहले 50 किलोग्राम आलू 500 रुपये में बिकता था जो अब 650 से लेकर 700 रुपये पहुंच गया है। आढ़ती बता रहे हैं कि आलू अभी बाहर से आ रहा है। यहां का आलू का उत्पादन नहीं है। इससे दाम पर असर पड़ा है। मंडी में इस समय आगरा, अलीगढ़, चंदौसी, संभल और हल्द्वानी से आलू आ रहा है। जनपद में नये आलू का उत्पादन दिसंबर तक होगा। नवंबर में पंजाब से भी आलू आना शुरू हो जाएगा। इससे दाम पर कुछ फर्क पड़ेगा। टमाटर, हरी मिर्च, अदरक के बाद अब आलू और प्याज का भाव भी चढ़ रहा है। थोक में आलू 16 रुपये से 18 रुपये तक है। यही आलू खुले बाजार में 25 से 30 रुपये में मिल रहा है। चार-पांच गाड़ियां प्रतिदिन आलू लेकर आ रही है। अभी मांग के हिसाब से आपूर्ति ठीक हो रही है। एक गाड़ी में करीब पांच सौ कटटे होते हैं। -विजेंद्र सिंह, आलू आढ़ती,सावन में प्याज की खपत कुछ कम हे। प्याज का थोक भाव 16 रुपये से लेकर 23 रुपये तक है। महानगर में पांच हजार कुंतल प्याज की खपत है, लेकिन सावन के बाद प्याज की खपत और बढ़ेगी। - नितिन लहसुन भी पीछे नहीं है। लहसुन 70 से लेकर 90 रुपये प्रति किलोग्राम में बिक रहा है। तीन माह पहले लहसुन 40 से 60 रुपये था। इस समय मध्यप्रदेश से लहसुन आ रहा है। इसकी फसल को बारिश से भी नुकसान हुआ है। इसका असर भी दाम पर पड़ रहा है। -बिलाल, कारोबारी तीन माह पहले की अपेक्षा आलू और प्याज के दाम में कुछ बढ़ोत्तरी हुई है। आलू का उत्पादन स्थानीय स्तर पर हो नहीं रहा। आलू कोल्डस्टोर से आ रहा है, इस पर किसान किराया भी जोड़ रहा है। इस वजह से आलू के भाव में कुछ अंतर आया है। -ज्योति सिंह, सचिव मंडी समिति

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिला कारागार एटा में विधिक जागरूता शिविर एवं वृक्षारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एंव माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, एटा के दिशा-निर्देशन में आज दिनांक 12-08-2023 को जिला कारागार एटा की महिला बैरेक में निरूद्ध महिला बंदियो के मध्य विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,एटा द्वारा महिला बंदियों से उनकी समस्यों के बारे पूछा गया तथा उन्हें महिलाओ से संबंधिक विधिक जानकारी प्रदान करायी गयी सचिव महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि जिन महिला बंदियों की जमानत न्यायालय द्वारा प्रदान करायी जा चुकी है किन्तु जमानती के अभाव में न्यायालय में निरूद्ध है तथा जिनके वाद में पैरवी हेतु कोई अधिवक्ता नियुक्त नही है उनकी पैरवी हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एटा द्वार निशुल्क अधिवक्ता प्रदान कराया जायेगा। साथ ही महिला बंदियो को पीसीपीएनडीटी एक्ट, दहेज निषेध अधिनियम, महिलाओं के अधिकारों आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान करायी गयी। साथ ही सचिव, महोदय द्वारा जिला कारागार एटा के परिसर में पौधे लगार कर वृक्षारोपरण का शुभारम्भ किया गया तत्तपश्चता जेल अधीक्षक ,जेलर, डिप्टी जेलर एवं अन्य कर्मचारीगणों द्वारा पौधे लगाकर वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर श्री अमित चौधरी जेल अधीक्षक,श्री प्रदीप कुमार कश्यप जेलर,श्री ;त्विक प्रियदशी डिप्टी जेलर,एवं समस्त कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

दलित भाईयों से मिलकर अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों ने काँग्रेस के कार्यकर्ताऔ ने पम्प लेट वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-एटा मे जय जवाहर - जय भीम कार्यक्रम के अंतर्गत दलित-मुस्लिम जनसंपर्क सप्ताह के तहत पटियाली गेट बाल्मीकि दलित बस्ती में दलित समुदाय के घरों पर जाकर दलित भाईयों से मिलकर अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों ने काँग्रेस के कार्यकर्ताऔ ने पम्प लेट वितरण करते हुए भाजपा की दलित-मुस्लिम विरोधी नीतियो को उजागर किया इस अवसर पर बोलते हुए अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश सचिव एवं एटा प्रभारी सैयद अबरार अली ने कहा भाजपा संविधान बदल कर आपका आरक्षण खत्म करना चाहती है आपका जमीन संबंधी सुरक्षा कानून को पहले ही निरस्त कर चुकी है। अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष वसीम सलमानी ने कहा दलित भाई और मुस्लिम भाई जब मिलकर कांग्रेस को वोट करते थे तब संसद में सिर्फ भाजपा के दो सांसद हुआ करते थे अभी भाजपा सिर्फ 37 परसेंट पर सरकार बनाई है जबकि दलित-मुस्लिम की की संख्या 42% है कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अनिल सोलंकी ने कहा आइए हम आप मिलकर 2024 मे इस जन विरोधी भाजपा सरकार को हटाने का काम करें। आज के दलित- मुस्लिम जनसंपर्क अभियान में प्रमुख रूप से अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश सचिव अबरार अली कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अनिल सोलंकी अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष वसीम सलमानी पूर्व शहर अध्यक्ष आशिक हुसैन उर्फ भोले वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉक्टर शैलेंद्र गौड पूर्व विधानसभा अध्यक्ष यूथ कांग्रेस हसीन मियां सोशल मीडिया जिला अध्यक्ष तसव्वुर सुभाष सागर आदि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संपर्क कर पर्चे बांटे

आजादी के अमृत महोत्सव पर गुंजी आजादी के वीर सहीदो की वीगाथा

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के समापन सप्ताह के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम मे शहीदों को नमन करते हुऐ उनकी बलिदान पर संगोष्ठी की गईं। इस मोके पर छात्रों को भारत माता के वीर सपूत,जिन्होंने आजादी के लिए अपनी हंसते-हंसते अपने प्राण न्योछावर कर दिया की जीवन गाथा से संबंधित कहानी बच्चों को सुनाई गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजू राम रतन ने कहानियों के माध्यम से बच्चों को पढ़ने के लिए भी प्रेरित करते हुऐ बताया कि आप सभी के जीवन का छात्र-मय जीवन पुरी जिंदगी का स्वर्णि काल है आप सभी ने यदि निष्ठा पूर्वक आपने अंदर विश्वास पैदा कर लिया तो आप सभी आपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर सकते है
श्रीमती विनिता जी न वीर शाहिद उधम सिंह जी दृढ़ निश्चय से भारी कहानी सुनाई व श्री महेश चंद्र जी ने भी छात्रों को विरगाथा से प्रेरित कहानियाँ सुनाई बताया कि पढ़ाई के लिए जूनून पैदा होना चाहिए ओर उसे पुरा करने के लिए सपने जागते हुऐ देखने होंगे ओर ऐसा अगर संभव हुआ तो हमारा देश को पुनः सोने की चिड़िया होने से कोई नही रोक सकता। आज़ादी के वीर सपूतो के नाम से प्रधानाचार्य व छात्रों ने पौधे भी रोपित किए।

श्री श्री 1008 जगतगुरु श्री स्वामी देवनायकाआचार्य की महिमा

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद श्री श्री 1008 जगतगुरु श्री स्वामी देवनायकाआचार्य जी महाराज मध्य प्रदेश दतिया 134 वर्ष की आयु पर शरीर को शांत करने वाले महान संत सन 18 सो 90 में जन्म के बाद मैं तो हो गई घर वालों ने इन्हें बाहर डाल दिया कुछ समय बाद स्वामी जी को जीवित पाया 5 वर्ष की आयु में नीलकंठ चले गए वाही रहकर 80 वर्षों तक तपस्या की इसके बाद फलदायक ईश्वर कृपा होने पर स्वामी जी कंपिल नगर पहुंचे स्वामी जी कंपिल मुनि के आश्रम के पास रहने का विचार बनाया जिस स्थान पर कोई भी मानव शरीर रुक नहीं सकता था कपिल आश्रम में 5 वर्षों तक तपस्या करने के बाद सती माता ने स्वप्न दिया कि मैं जमीन के नीचे दबी हूं मुझे किसी प्रकार बाहर निकाल लाओ लोगों के सहयोग से महाराज जी ने उस जमीन को खोदा गया अंडरग्राउंड उनकी स्थापना करवाई इसके बाद वहां पर कार्य चलता ही रहा महाराज सहयोग यू के द्वारा उसका निर्माण कार्य चलता ही रहा जी मंदिर में लिफ्ट की सेवा का भी स्थान छुड़वा दिया जिसमें गौशाला यात्रियों के रुकने की बहुत ही सुंदर व्यवस्था करवा दी जहां निरंतर भंडारा चलता रहता है जिसके लिए महाराज ने 125 बीघा जमीन मंदिर के नाम है जिससे कभी मंदिर की व्यवस्था में कोई भी व्यवधान न पड़े सती जी का मंदिर राधा कृष्ण का मंदिर लक्ष्मी सरस्वती दुर्गा देवी का मंदिर नरसिंह भगवान का मंदिर शेष अवतार रामानुजाचार्य जी का मंदिर भगवान विष्णु माता लक्ष्मी जी का मंदिर उसके ऊपर कुंभ द्वारा मंदिर परिक्रमा करने की स्थान भी है मुख्य द्वार पर अर्जुन का उपदेश देने वाला कृष्णा जी का चित्र लगने वाला है प्रारंभ में ब्रह्मदेव जी का चित्र लगने वाला है मैं ब्रह्मदेव जी का स्थान भगवान शिव नंदी हनुमान शनिदेव का मंदिर भगवान गणेश जी का मंदिर गुड़गांव जिसमें गुरु जी के सानिध्य में नित्य कर्म द्वारा पाठ होता है श्री नंदकिशोर शुक्ला रामानुज धाम दतिया मध्य प्रदेश निवेदक प्रबंधन रामानुजाचार्य अध्यक्ष श्री गीता ज्ञान आश्रम कंपल राजा द्रोपती की राजधानी द्रोपती कुंड भगवान की प्रसिद्ध नगरी कंपल है निवेदक में राकेश तिवारी उमाशंकर गुप्ता राजीव तिवारी रमाशंकर गुप्ता दीपक राठौड़ उपस्थित रहे

ब्रज प्रांत में गौशालाओं में गोवंशो का बुरा हाल -अरविंद चौहान

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- विश्व हिन्दू परिषद गौ रक्षा विभाग के ब्रज प्रांत के प्रांत अध्यक्ष अरविन्द सिंह चौहान ने कहाँ की पूरे ब्रज प्रांत में गौशालाओं में गोवंशो का बुरा हाल है।13-8-23 को प्रांत बैठक है उसके बाद पूरे प्रांत में गौशालाओं पर ताबड़तोड़ छापे मारे जाएंगे तथा यथा स्थिति से माननीय मुख्यमंत्री जी को भी अवगत कराया जाएगा दो-तीन गौशालाओं में मेरे द्वारा भी निरीक्षण किया गया जिसमें काफी कमियां मिलीं तथा अधिकारियों को भी अवगत कराया गया लेकिन उसके बावजूद भी गौशालाओं में सुधार नहीं हो रहा।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गोवंश बीमार, भूख से पीड़ित, चुटैल, इन सभी समस्याओं से जूझते हुए दिखाई दिए तथा गौशालाओं में सफाई व्यवस्था भी नहीं मिली जिसके कारण गोवंश कीचड़ में खड़े रहने के लिए मजबूर थे इस संबंध मे अधिकारियों को लगातार अवगत कराया जा रहा है लेकिन कोई भी अधिकारी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है जो कि काफी चिंता का विषय है इसी तरह गोवंश शहरों में घूमते नजर आ रहे हैं जिसके कारण आए दिन एक्सीडेंट हो रहे हैं जिसमें गोवंश तो चुटैल हो ही रहे हैं तथा जनता भी चुटैल हो रही है।शहर में घूम रहे गोवंशो को गौशालाओं में नहीं पहुंचायाा जा रहा है जबकि मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से कहा गया था कि शहर में घूम रहे
गोवंश को भदवास ब्रह्मांस की गौशाला में पहुंचाया जाए उसके बावजूद भी आज तक कोई व्यवस्था नहीं हो सकी। मैंने इस संबंध में जिलाधिकारी महोदय एटा व जिलाधिकारी महोदया कासगंज से भी वार्ता की तो दोनों अधिकारियों ने प्रकरण को गंभीरता से लिया तथा अधीनस्थों को व्यवस्था सुधारने के आदेश भी दिए लेकिन देखने में आया है कि कुछ अधिकारी व कर्मचारी ऐसे हैं जो कि सरकार की छवि धूमिल करने में जुटे हुए हैं जब तक ऐसे लोगों पर कार्रवाई नहीं होगी तब तक गोवंश सुरक्षित नहीं हो पाएंगे। श्री चौहान ने कहाँ कि एटा में मई में गोकशी की घटना हुई थी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय एटा ने काफी गंभीरता से लिया तथा गोकशी करने वालों पर रासुका व गैंगस्टर की कार्रवाई की जा रही है तथा इस तरह की कार्यवाही पूरे ब्रज प्रांत में होनी चाहिए ताकि गोकशी करने वालों पर शिकंजा कसा जा सके।
श्री चौहान ने कहा कि गोकशी ,गौ तस्करी ,पूरे ब्रज प्रांत में किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी इसके लिए पूरे ब्रज प्रांत के कार्यकर्ता जुटेंगे तथा मेरा पूरे ब्रज प्रांत के प्रशासन से भी कहना है कि वह लोग भी पूर्ण रूप से अपना सहयोग प्रदान करें तथा तथा इस तरह की घटना करने वालों पर रासुका, गैंगस्टर, एनएसए, की कार्यवाही करें ताकि उनके हौसलों को पस्त किया जा सके तथा माननीय मुख्यमंत्री जी के गौ रक्षा सुरक्षित अभियान को गति दी जा सके।

गलत इंजेक्शन से पैर हुआ सुन्न, डीएम से की शिकायत

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

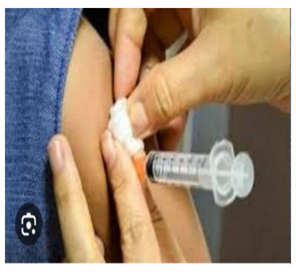

एटा-ग्राम सरनऊ स्थित बजरंग क्लीनिक में उपचार के दौरान गलत इंजेक्शन लगाने से पैर सुन्न हो गया है, जिससे उसका पैर खराब हो गया है। इस मामले की पीड़िता ने डीएम को शिकायती पत्र सौंपा है। स्वास्थ्य विभाग ने मामले में जांच शुरू कराई है। गढिया निवासी सीमा देवी पत्नी सत्यवीर सिंह डीएम को प्रार्थना पत्र देकर शिकायत की है कि सरनऊ स्थित बजरंग क्लीनिक में वह इलाज को गई। जहां पर डॉ. राजेश ने उसके पैर में गलत इंजेक्शन लगा दिया, जिससे उसका पैर सुन्न हो गया। उसको दिव्यांग होने की आशंका हो रही है। उसने शिकायती पत्र देकर दोषी चिकित्सक के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। डीएम कार्यालय से शिकायती पत्र को स्वास्थ्य विभाग में भेजा गया है, जिसकी जांच अपंजीकृत नोडल अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार के पास है। उन्होंने बताया कि सीमा देवी की शिकायत भी उनको मिली है। इस मामले में जांच शुरू कर दी गई है। पीड़िता को बयान लेने के लिए बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने पर संबंधित क्लीनिक पर कार्रवाई की जा चुकी है। पुरानी बस्ती महिला ने भी गलत उपचार की शिकायत की- एटा - शहर के मोहल्ला पुरानी बस्ती निवासी उर्मिला जैन ने शिकायत की है। शिकायत में बताया है कि मां जीवन हॉस्पिटल में ऑपरेशन के दौरान उनको गलत इजेंक्शन लगाया गया था। जिसकी उसने शिकायत की है।

गायन प्रतियोगिता में टैगोर सदन ने मारी बाजी

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- बी0 आर0 जीनियस इंटरनेशनल स्कूल नवाबगंज में शनिवार को हुई इंटर हाउस गायन प्रतियोगिता,कार्यक्रम का शुभारंभ कालेज के निदेशक अंकुर गंगवार, डा0 एम0एल0 गंगवार ,प्रधानाचार्या मौसुमी शर्मा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित करके किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में दो ग्रुप रहे, ग्रुप अ में कक्षा छः से कक्षा आठ तक के बच्चों ने हिस्सा लिया।

वहीं ग्रुप ब में कक्षा नौ से कक्षा बारह तक के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपनी -अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन बड़े ही उत्साह के साथ किया। प्रधानाचार्या व कार्यक्रम में सुरों के जानकर जजों ने गीत के चुनाव, लय व सुर के आधार पर बच्चों का मूल्यांकन किया। ग्रुप अ से ब्लू हाउस कक्षा 6की अवनी ने प्रथम पुरस्कार जीता। द्वितीय पुरस्कार ब्लू हाउस के कक्षा सात के छात्र मोनिश ने जीता।ग्रुप ब से प्रथम पुरस्कार रेड हाउस की कक्षा 12 की छात्रा हुदा ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार ब्लू हाउस के कक्षा नौ के छात्र शिवेक को मिला। कक्षा सात की छात्रा सिद्धता व दीक्षा को उनके प्रदर्शन के लिए सांत्वना पुरुस्कार दिया गया। इस मौके परमें विद्यालय की प्रधानाचार्या मौसुमी शर्मा ने अपने सम्बोधन में सभी विजयी छात्र छात्राओं को बधाई दी।कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि बाबूराम गंगवार, राजकुमारी गंगवार ,शक्ति पटेल कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका नताशा ग्रोवर व नवनीत ने किया। के0 पी0 गंगवार,नासिर हुसैन, अमन मल्होत्रा,रश्मि शर्मा, मोनिका,वंदना,अंजली, नविश जैदी,चंद्रा कुमारी,नगमा,पूजा गंगवार, आसिफ इदरीस, राकेश सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका नताशा ग्रोवर,एण्ड नवनीत ने किया।

चोरी की सजा में गरम चिमटे से जलाए नाबालिग, बाल काटे, वीडियो वायरल होने पर की गिरफ्तारी

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ-अकराबाद -अलीगढ़ महानगर के ऊपरकोट कोतवाली इलाके में दबंगों ने दो नाबालिगों को चोरी के आरोप में ऐसी सजा दी कि हैवानियत भी शर्मसार हो जाए। आरोपियों ने दोनों बच्चों को पीटते हुए उन्हें गरम चिमटे से जलाया और बाल तक काट दिए। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई और दो आरोपी गिरफ्तार कर लिए। घटनाक्रम के अनुसार मजदूरी करने वाले जाकिर के घर से आठ अगस्त को मोबाइल आदि सामान चोरी हुआ। उन्होंने इस चोरी के शक में अपने पड़ोस के ही दो नाबालिगों की जांच पड़ताल की। उनका संदेह था कि वे दोनों उनके बेटे के साथ खेलते हैं। वही चोरी करके ले गए होंगे। इस पर उन्होंने नौ अगस्त को दोनों को ऊपरकोट टीले के पास अपने घर बुलाया और उनसे चोरी को लेकर पूछताछ करते हुए घर का दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद अपने अन्य सथियों की मदद से उनके साथ मारपीट करते हुए गरम चिमटे से शरीर के कई हिस्सों गर्दन, पीठ व हाथों आदि जगह पर जलाया। इससे उनकी खाल तक पलट गई। बाद में कैंची से दोनों के सिर के बाल काट दिए। उन्हें आधा घंटे तक बंधक बनाए रखने के बाद जब छोड़ा तो वे रोते हुए घर पहुंचे। परिजनों ने पुलिस को सूचना देते हुए उन्हें अस्पताल भेजा। साथ में इस घटना का वीडियो भी बृहस्पतिवार को वायरल हो गया। इस पर पुलिस हरकत में आ गई और आनन-फानन कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर हाजी जाकिर, तालिम, नाबालिश, फैज आलम को नामजद किया। जिनमें से दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। इंस्पेक्टर थाना के अनुसार को उन्हें जेल भेजा जाएगा।

दुष्कर्म के आरोपी सपा नेता ने पुलिस को चकमा देते हुए कोर्ट में सरेंडर

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ने में पुलिस रणनीति ही बनाती रही। उधर आरोपी सपा नेता ने पुलिस को चकमा देते हुए शुक्रवार को कोर्ट में सरेंडर कर दिया। इसके बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है। तीन अगस्त को जैथरा कस्बा के मोहल्ला नेहरू नगर निवासी सपा नेता शिवपाल सिंह यादव व उसके साथी ओमशरण के विरुद्ध एक महिला ने तमंचे के बल पर दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एक आरोपी ओमशरण को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। दूसरे आरोपी शिवपाल यादव को पुलिस गिरफ्तार करने में नाकाम रही। अचानक सुस्त पड़ी पुलिस कार्रवाई का आरोपी ने फायदा उठाया। शुक्रवार को उसने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। एसएचओ फूल चंद्र का कहना है कि आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही थी। आरोपी ने शुक्रवार को कोर्ट नंबर 18 में सरेंडर कर दिया।

ताज़ा खबरों के लिए देखे
WWW.KNLSLIVE.COM

उच्च प्राथमिक विद्यालय में किताबें पाकर बच्चों के खिले चेहरे

क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी द्व सरकार द्वारा भेजी गई किताबें पाकर बच्चों के खिले चेहरे। आज उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक के सभी छात्र छात्राओं को सरकार के द्वारा भेजी गई किताबें पुस्तिकाएं बांटी गई। प्रधानाचार्य प्रिंसिपल कमलेश भारती ने बताया हमारे उच्च प्राथमिक विद्यालय में 450 बच्चे पढ़ते हैं। उन सभी बच्चों को स्कूल के अध्यापकको और अध्यापिकाओं अंशुल अग्रवाल, साधना वर्मा, चेतन कुमार, यूनिस, संगीता सिंह, नीरज वर्मा, अनीता, प्रियंका गंगवार नजमी जैदी, सरिता शुक्ला, रचना अग्रवाल, मीनाक्षी अग्रवाल आदि शिक्षकों के द्वारा सभी छात्र छात्राओं को सरकार के द्वारा भेजी गई किताबें और पुस्तिकाएं वितरण की गई थी। अध्यापक अंशुल अग्रवाल, साधना वर्मा, यूनिस, चेतन कुमार ने बताया आज हमारे उच्च प्राथमिक विद्यालय में सभी छात्र छात्राओं को किताबें और कार्य पुस्तिकाएं वितरण की गई जिन्हें पाकर वे प्रसन्न हुए। तथा उत्साहित होकर शिक्षकों द्वारा पढ़ाई गए पाठो को याद कर स्वयं से कार्य पुस्तिकाओं में करने लगे। इसी तरह प्राथमिक विद्यालय सेकंड में कक्षा एक से कक्षा 5 तक के सभी छात्र छात्राओं के लिए सरकार द्वारा किताबें और कार्य पुस्तिकाएं भेजी गई थी। उन किताबों को प्रिंसिपल रुचि अग्रवाल ने स्कूल के अध्यापकों अध्यापिकाओं के द्वारा सभी बच्चों को किताबें वितरण कराई गई। सभी (बच्चे) छात्र-छात्राएं किताबें और कार्य पुस्तिकाएं पाकर उत्साहित और प्रसन्न हो गए। उनके चेहरे खिल उठे और किताबें को देखकर पढ़ने लगे।

डीएम से शिकायत एपीओ की लचर पैरवी से दोषमुक्त हुई है पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत

क्यूँ न लिखूँ सच
हारुन बख्श

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद जिलाधिकारी से शिकायत की गई है कि एपीओ की लचर पैरवी के कारण पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत अदालत से दोषमुक्त हो गयी हैं नगर के मोहल्ला सर्वोदय नगर निवासी मास्टर नाहर सिंह राजपूत ने बीते दिन जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर अवगत कराया है कि पूर्व विधायक कि पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत ने कूट रचित दस्तावेज तैयार कर वक्फ भूमि हड़प ली थी अजादार जैदी ने विवादित भूमि पर लगे करीब 17 आम आदि के पेड बेचकर कटवा दिये थे। पेड काटे जाने पर जैदी पर जुर्माना किया गया था जुर्माने की आरसी मिलने पर तहसीलदार सदर ने विवादित भूमि को कुर्क कर लिया था 7 अप्रैल 2004 को नगर के उदयराज अस्पताल में हार्ट अटैक के उपचार के दौरान जैदी की मौत हो गई थी उन दिनों पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत की बेसकीमती जमीन पर नजर थी उनकी जैदी से इस जायदाद को खरीदने की बातचीत भी चल रही थी उर्मिला ने पत्रकार की बनवाई थी फर्जी वसीयत जैदी की मौत की जानकारी मिलने पर उर्मिला राजपूत को काफी खुशी हुई उन्होने जैदी की मौत से एक दिन पूर्व 6 अप्रैल 2004 की तिथि में फर्जी वसीयत अपने नाम तहसील सदर के अधिवक्ता कामता प्रसाद एडवोकेट से लिखवाई थी जिसमे पल्ला गल्ला मंडी निवासी गल्ला आढती महावीर राजपूत एवं कमालगंज निवासी राजेश वर्मा गवाह थे उर्मिला राजपूत ने जमीन का दाखिल खारिज कराने के लिये तहसीलदार की अदालत में वाद संख्या 381/2004 दायर किया तहसीलदार पटेल ने किया था खेल तत्कालीन तहसीलदार शिवबहादुर पटेल ने पूर्व विधायक के दबाव व निजी स्वार्थ के कारण 2 अगस्त 2004 को वक्फ की भूमि उर्मिला राजपूत के नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज करवा दी श्रीमती राजपूत ने जसमई तिराहे के निकट खाता संख्या 177 रकवा 2.28 एकड से काफी भूमि रामकिशन लॉ कालेज के नाम कर दी थी छत्रपति शाहू जी महाराज विश्व विद्यालय कानपुर से लॉ कालेज की सम्वद्धता प्राप्त की डा0 रामकृष्ण राजपूत ने कई वर्ष लॉ कालेज चलाया सपा सरकार में नही हुई कार्रवाई फर्जीबाडे की जानकारी होने पर लखनऊ स्थित शिया सेंटर वक्फ बोर्ड के प्रशासनिक अधिकारी ने 8 मई 2013 को उर्मिला राजपूत को नोटिस देकर वक्फ सम्पत्ति से अवैध कब्जा हटवाने का नोटिस दिया था तथा इस मामले में डीएम को भी कार्रवाई करने को पत्र भेजा गया था सपा सरकार होने के कारण प्रशासन ने उर्मिला राजपूत के विरूद्ध कोई कार्रवाई नही की थी करीबी शिक्षक ने ही उर्मिला को किया बर्बाद वर्ष 2018 में नगर के मोहल्ला सर्वोदय नगर निवासी शिक्षक नाहर सिंह वर्मा ने उर्मिला राजपूत के फर्जीबाडे की शिकायत अल्पसंख्यक कल्याण एवं सर्वे वक्फ अधिकारी से की थी। सर्वे वक्फ अधिकारी ने 30 अक्टूबर 2018 को एसडीएम सदर को पत्र भेजकर उर्मिला राजपूत का वक्फ सम्पत्ति से अवैध कब्जा हटवाने को कहा था पूर्व विधायक के खासम खास रहे श्री वर्मा ने उर्मिला राजपूत की अनेकों बार शासन व प्रशासन में शिकायत की थी जिस पर डीएम मानवेन्द्र सिंह ने गम्भीरता से जांच करवाकर कडी कार्रवाई की है। पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत ने लॉ कालेज के निकट व्रिक फील्ड की फैक्ट्री लगाई थी जो कई साल से बंद है वक्फ भूमि पर लगाई गई थी व्रिक फील्ड मालुम हो कि उर्मिला राजपूत की पुत्रवधू उर्मिला राजपूत ब्लाक बढपुर की प्रमुख थी, उसी दौरान व्रिक फील्ड की फैक्ट्री लगाई गई थी लॉ कालेज भवन के सामने काफी आकर्षक पूस बंगला बनाया गया है, जिसमे पंखे भी लगे है लॉ कालेज के भवन में देखरेख करने के लिये जनपद मैनपुरी थाना एलाऊ के ग्राम अगार निवासी श्रीकिशन मिश्रा का पुत्र बलराम अपनी मां छोटी देवी एवं छोटे भाई चन्द्रकिशोर के साथ कई वर्षो से रहता है बेची गई वक्फ भूमि चन्द्रकिशोर बस स्टेशन के निकट अलमारी बनाने की दुकान पर काम करता है लॉ कालेज के मुख्य द्वार के पश्चिमी ओर सडक के किनारे ग्राम नगला खैरबंद निवासी रमेश राजपूत का दो मंजिला भवन है

जिला अध्यक्ष/चेयरमैन शरण पाल सिंह मक्कड़ का मुख्यमंत्री 200 की विकास निधि बंद करने के लिए धन्यवाद

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - जिला अध्यक्ष लुधियाना/चेयरमैन जिला वित्त एवं योजना समिति पंजाब सरकार शरण पाल सिंह मक्कड़, पूर्व ओएसडी पंजाब पेंशनर्स कल्याण बोर्ड के दो चेयरमैन कर्नल सिंह कपूर और पंजाब पेंशनर्स कल्याण बोर्ड म्यूनिसिपल लुधियाना भाईचारा ग्रुप पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का ?200 की विकास निधि बंद करने के लिए धन्यवाद हार्दिक आभार व्यक्त किया।

पिछले दिनों लघु सचिवालय स्थित जिला वित्त एवं योजना समिति के कार्यालय में कर्नल सिंह कपूर व अन्य के नेतृत्व में चेयरमैन शरण पाल सिंह मक्कड़ व अन्य को विकास निधि 200 रुपये बंद करने के लिए ज्ञापन दिया गया था।

इस फंड को बंद करने के लिए चेयरमैन मक्कड़ और अन्य लोगों की कड़ी मेहनत और पेंशनर्स संगठनों की आवाज सुनकर पंजाब सरकार को अपना आदेश वापस लेना पड़ा। इस विकास निधि को वापस लेने के लिए चेयरमैन शरण पाल सिंह मक्कड़ और पेंशनर्स एसोसिएशन चौ सुच्चा सिंह, धर्मवीर, बलदेव सिंह, अजीत सिंह कटयानी, अजीत सिंह अरोड़ा, बलदेव सिंह, सतीश वर्मा, अशोक सिंह संधू, बलजीत सिंह, अमरजीत शेरपुरी, जय इंद जय रथ जालंधर, निशान सिंह, करमजीत सिंह रंधावा, गुरमीत मल, मदन लाल जोश और पेंशनभोगी संगठन बधाई के पात्र हैं।

पुलिस कमिश्नरेट लुधियाना की सीमा के भीतर चाइना मेड डोर की बिक्री, भंडारण और उपयोग पर निषेध आदेश जारी किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -सत पाल सोनी

लुधियाना -पुलिस उपायुक्त, स्थानीय, लुधियाना रूपिंदर सिंह पीपीएस। दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (अधिनियम संख्या 2 सन् 1974) की धारा 144 सीआर.पी.सी. पुलिस आयुक्तालय, लुधियाना के तहत लुधियाना के क्षेत्र के भीतर चीन निर्मित डोर (चीन निर्मित या पतंगों के लिए उपयोग किए जाने वाले सिंथेटिक प्लास्टिक से बने अन्य डोरां) बेचने, भंडारण करने के लिए सौंपी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए निषेधाज्ञा जारी कर दी गई है। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि कमिश्नरेट पुलिस क्षेत्र के भीतर विभिन्न दुकानें बेहद खतरनाक चाइना मेड डोर (सिंथेटिक प्लास्टिक से बने चीन निर्मित डोर या पतंग के लिए इस्तेमाल होने वाले अन्य डोरां) बेच रही हैं, जो बहुत खतरनाक हैं। खतरनाक डोरां काफी सख्त और अटूट होती हैं। ये मानव जीवन के लिए खतरनाक हैं और इनके प्रयोग से कोई भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना हो सकती है। ये आदेश आम जनता की जान-माल की सुरक्षा के लिए लागू किये गये हैं। जारी आदेशों में उन्होंने कहा कि इन आदेशों का उल्लंघन करने पर अपराध अधिनियम 05 पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 एवं 188 दंड संहिता के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ये प्रतिबंध आदेश अगले दो महीने तक लागू रहेंगे।

पंजाबी लेखक गुरभजन गिल की किताबें स्पीकर संधवां और कृषि मंत्री खुड्डियां के माध्यम से पंजाब विधानसभा की लाइब्रेरी में रखी जाएंगी

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - भाषा विभाग द्वारा 2014 में शिरोमणि पंजाबी कवि के रूप में सम्मानित, पंजाबी लोक विरासत अकादमी लुधियाना के अध्यक्ष प्रो. गुरभजन सिंह गिल की अब तक प्रकाशित 16 काव्य पुस्तकें पंजाब विधानसभा की लाइब्रेरी में रखने के लिए पहुंच चुकी हैं। पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां और कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडियां ने ये पुस्तकें विधानसभा के वरिष्ठ पत्रकार हरप्रीत सिंह स्वैच से प्राप्त कीं, जिन्होंने कवि द्वारा भेजी गई ये पुस्तकें उन्हें सौंप दीं। इस मौके पर फरीदकोट के विधायक गुरदित सिंह सेखों भी मौजूद रहे। पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि विधानसभा की लाइब्रेरी ने इन पुस्तकों से खुद को समृद्ध किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें खुद पंजाबी साहित्य पसंद है और वह किताबें पढ़ते रहते हैं। कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड़ियां ने कहा कि वह लंबे समय से प्रोफेसर गुरभजन गिल की किताबें पढ़ते रहे हैं और कवि के साथ व्यक्तिगत संपर्क में भी हैं। अब इन सभी पुस्तकों को विधानसभा पुस्तकालय में देखना खुशी की बात है। इन पुस्तकों से सभी विधायकों और कर्मचारियों को लाभ होगा। गौरतलब है कि प्रोफेसर गुरभजन गिल के उद्धरणों के अलावा, अन्य प्रसिद्ध कवियों संत राम उदासी, सुरजीत पातर, बाबा नजमी और बूटा सिंह चौहान के काव्य उद्धरण अक्सर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान जब वे सांसद थे द्वारा विधानसभा में बोले जाते हैं तब ये पुस्तकें संसद में थीं और उन्होंने उद्धरण भी दिए हैं। विधानसभा की लाइब्रेरी को दी गई किताबों में गुरभजन गिल की शीशा झूठ बोलदा है (कविता), हर दुखड़ा पिंड मेरा है (गज़ल), सुर्ख समुद्र (कविता), दो हर्फ रसीद (गजल), अगन कथा (कविता,) दे बुहे बारियां (गज़ल), धरती नाद (कविता), खैर पंजां पनियां दी (भारत-पाक संबंधों और पंजाबियत पर कविताएं), फूलां दी झांझर (गीत संग्रह), परदर्शी (कविता), मोरपंख (गजल) मन तंदूर (कविता), तरियां नाल गल्लां करदियां (गजल-सुलखान सिंह सरहदी द्वारा प्रकाशित), गुलनार (गजल), मिरगावली (गजल), रावी (गजल), सुरताल (गजल), जिसमें चरखड़ी (कविताएं), पिप्पल पट्टियां (संकलन) और जल कान (रुबैस) आदि सभी काव्य पुस्तकें हैं।

मैडम नीतू एमओआईसी का खुल्लम खुल्ला बड़ा खेल – तथा कथित वकील साहब चलाते हैं रिश्वत की रैल

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-कमीशन खोरी तथा भ्रष्टाचार एवं अवैध उगाई हेतु दबाव बनाने के लिए छोटे कर्मचारी से लेकर बड़े कर्मचारी तक को परेशान किये जाने से संबंधित दर्जनों जिंदा सबूत इस सीएचसी के रजिस्टरों में दफन है। एमओआईसी, सीएचसी बागवाला मैडम नीतू से पूरा स्टाफ बेहद परेशान हैं।जबकि उनका पति स्वास्थ्य विभाग में नौकरी भी नहीं करता है फिर भी सरकारी गाड़ी में बैठकर अपनी स्टाफ पर पूरा रौब जमाता है। यहाँ कहानी कुछ उलटी है, यहाँ पर जितने भी सरकारी टेंडर होते है उनकी देख रेख मैडम के पति के हवाले रहती है, मैडम के पतिदेव वकील के नाम से पूरे अस्पताल में विख्यात है। मेडिकल बनवाने से लेकर हर काम का रेट अलग-अलग निर्धारित हैं। मैडम के एक इशारे पर वकील साहब अस्पताल के स्टाफ पर खोप का कहर बनकर टूट पड़ते हैं। और मैडम के नाम पर बाहर ही बाहर रिश्वत का खेल खेलते रहते हैं।

आखिरकार विभाग में रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार की खुली छूट के लिए इस फर्जी वकील पर किसका हाथ है।

इसी क्रम में सीएमओ ऑफिस में गाड़ियों का टेंडर टैक्सी पास परिमट पर होता है। लेकिन बागवाला में बिना टैक्सी परमिट और टेंडर की गाड़ियाँ लगी हुई है। जो क्षेत्र में अर्राटा काट रही है, यह फर्जी करण किसके आदेश से हो रहा है और कैसी चल रही है अवैध गाड़ियां। सीधा साधा जबाव है की राजस्व की खुलेआम चोरी की जा रही है,जिनका धन कागजी हेराफेरी के जरिए बड़ा चढा कर निकाला जाता है। और तो और डिलीवरी वाली महिलाओं को कभी भी खाना नहीं दिया जाता।

क्योकि महिलाओं के परिवार वाले अपने घर से ही खाना मंगवाते है। क्योकि यहां पर भर्ती महिलाओं के तीमारदारों से घर से खाना मंगाने का फरमान जारी कर दिया जाता है। मरीज अथवा प्रसूतिका जितने भी सीएचसी पर उपचार हेतु भर्ती रहते हैं। उन सभी के भोजन का भुगतान तीमार दार सहित डकार लिया जाता है। एमओआईसी की देखरेख में अवैध रूप से अटैच की गई गाड़ियां निरंतर सफर करती हुई कभी भी देखी जा सकती है। यह भी उल्लेखनीय है कि बागवाला सीएससी पर कुछ दिन पूर्व एक मंदिर का निर्माण हुआ था जिसमें, एमओआईसी नीतू ने छोटे से लेकर बडे सभी कर्मचारियों से चंदा इकट्ठा किया था। बताया गया है कि मंदिर निर्माण की लागत से ज्यादा चंदा इकट्ठा कर लिया गया था। मंदिर निर्माण के चंदा की बची हुई धनराशि को मैडम स्वयं डकार गईं। यह भी पता चला है कि बागवाला सीएचसी पर गोलमाल के बड़े-बड़े खेल नित्य प्रतिदिन जारी है। विभाग के आला अधिकारी निजी स्वार्थ के चलते इस भ्रष्टाचार पर लगाम कसने के लिए पहल ही नहीं कर रहे हैं। पीड़ित स्टाफ की माने तो अधिकारीगण तीज त्योहारों पर मेडम से मिठाई खाकर सफेद रुमाल से अपना मुंह पोछ लेते के बाद मैडम की पीठ थपथपा अग्रिम व्यवस्था का आशीर्वाद देकर चले जाते हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि मैडम अपनी बीसों उँगलियाँ घी में और सर कड़ाही में डाल कर तैर रहीं हैं। दर्जनों कर्मचारी इनके संरक्षण में बढ़- पल रहे है। दर्जनों अधीनस्त कर्मचारी महीना दारी कमीशन देकर छुट्टियां मनाते रहते है। सैकड़ा के आसपास सीएचसी पर तैनात स्वास्थ्यकर्मियों की फर्जी उपस्थिति दर्ज की जाती है। अगर यहाँ अलीगढ़ या लखनऊ की टीम अचानक छापा मार कार्रवाई करें तो दूध का दूध और पानी का पानी साफ हो जाएगा। और भ्रष्टाचार करने वालों को सर छुपाने की जगह नहीं मिल पाएगी।

पट्टे एवं अन्य सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करें-डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

हरदोई सुरसा /आज थाना सुरसा में आयोजित थाना समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने उपस्थित कानूनगो एवं लेखपालों को निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों की पट्टे एवं अन्य सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों को चिन्हित करें और पुलिस टीम के साथ स्थलीय निरीक्षण करने के उपरान्त अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्व एफआईआर दर्ज कराते हुए सख्त कार्यवाही करें। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी समन्वय बनाकर नियमित रूप से गांवों का भ्रमण करें और ग्राम चौपाल का आयोजन कर छोटे-मोटे विवादों का निस्तारण आपसी सुलह समझौते के आधार पर करायें और ग्रामवासियों को सरकारी की लाभकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करने के साथ पात्र लोगों का योजनाओं का लाभ भी दिलायें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने थानाध्यक्ष को निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण राजस्व विभाग की टीम के साथ निर्धारित समय सीमा में करायें और गांव के चौकीदार तथा बीट सिपाहियों से क्षेत्र की शान्ति व्यवस्था के सम्बन्ध में प्रतिदिन आख्या लें। थाना समाधान दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, पत्रकार बन्धु एवं शिकायतकर्ता आदि उपस्थित रहें।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
13 August 2023

वन विभाग की मिलीभगत के चलते वनभूमि पर धड़ल्ले से हो रहे है अबैध कब्जे

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ-अकराबाद - कोतवाली क्षेत्र के गांव गोपी, इरखिनी मंडनपुर, सुहावली नानऊ के माजरा हैदरनगर में में ग्रामीणों द्वारा वनभूमि पर अबैध रुप से कब्जा कर उसपर फसल पैदा की जा रही है वहीं गांव इरखिनी में वनभूमि की जसह पर धान की फसल की रोपाई की गई है इसके साथ ही सड़क किनारे ऐसी भी जहग है जहां दवंगों ने मकान व घेर बनाकर वनभूमि पर अबैध रुप से कब्ज जमा रखा है। गांव इरखिनी निवासी रक्षपाल सिंह यादव ने कोतवाली में दी तहरीर में आरोप लगाया है कि इसके पीछे वनविभाग के कर्मचारियों की मिली भगत है जिससे सांठगांठ होजाती है उसे फसल बोने की छूट दे दी जाती है। जिससे बात नहीं बनती उसके खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट लिखादी जाती है। वनकर्मियों की मनमानी को लेकर ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

एससीडी सरकारी कॉलेज ने मनाया तीज

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - एससीडी सरकारी कॉलेज, लुधियाना की एनएसएस (गर्ल्स विंग) द्वारा प्रिंसिपल प्रो. (डॉ.) तनवीर लिखारी और एनएसएस संयोजक (गर्ल्स विंग) श्रीमती गीतांजलि पबरेजा की निगरानी में आज बड़े उत्साह के साथ कॉलेज कैंपस में तीज मनाई। लड़कियों ने पारंपरिक पंजाबी लोक नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लड़कियों और प्राध्यापिकाओं द्वारा पारंपरिक पोशाक में मॉडलिंग करना था। मॉडलिंग इवेंट के विजेताओं को विभिन्न उपाधियों से सम्मानित किया गया। स्टाफ ने टप्पे गाये और पंजाबी संस्कृति को जीवंत कर दिया। छात्रों ने चूड़ियाँ, झुमके और सावन की खीर-पूरी के अलग-अलग स्टॉल भी लगाए थे। स्टाफ सदस्यों में डॉ. सजला और श्रीमती अरसी संधू ने सर्वश्रेष्ठ फुलकारी का खिताब जीता और श्रीमती गीतिका तलवार ने सर्वश्रेष्ठ पंजाबी जूती का खिताब जीता। तीज क्वीन का खिताब गणित विभाग की श्रीमती मोनिका को दिया गया। छात्राओं में मिस तीज का खिताब कशिश गोलन ने जीता। मनकिरन, इशिका और शानू को क्रमशः सर्वश्रेष्ठ फुलकारी, परांदा और जूती पहनने का पुरस्कार मिला। एनएसएस बॉयज विंग के संयोजक डॉ. सौरभ कुमार ने अनुशासन की देखभाल की, जबकि डॉ. इरादीप और प्रो. रजनी ने समारोह के सुचारू संचालन में मदद की।

एटा से मातृशक्ति कावर यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-राष्ट्र सेविका समिति के तत्वावधान में एटा से मातृशक्ति कावर यात्रा का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष सुधा गुप्ता ने किया।यह कावर यात्रा कछला सोरों के लिए रवाना करने में जिला प्रचारक विकास भाईसाहब के साथ ही देवेन्द्र कुमार लोधी भी साथ रहे।इस कावर यात्रा की प्रमुख सुधा सिंह, संजोजिक किरन रही।यहाँ यह बता दें कि यह कावर यात्रा सरस्वती शिशु मंदिर रैलवे रोड एटा से सोरों के लिए प्रस्थान कर गयी है।कार्यक्रम संयोजिका किरन ने कहा कि गंगा घाट पर स्नान के बाद विशेष मंत्रो चरण के साथ ही आज शाम को ही कावर यात्रा कासगंज होते हुए एटा कल पहुँचकर कैलाश मंदिर एटा पर चढ़ेगी इस यात्रा का जगह जगह स्वागत भी संघ परिवार के साथ ही समाजसेवी करेंगे। यात्रा में शामिल प्रमुख सुधा सिंह, संयोजिका किरन, शिवानी, रंजना, रेखा, उमा, निशा चौहान, तनु, याचना, सीमा, सरिता, गुंजन, रविन्द्र सिंह, गीता पाठक, शिवानी सोलंकी, यगेश, प्रवेश भारदूआज, नगर पालिका अध्यक्ष सुधा गुप्ता, नामिता, विमलेश, कुसुम, सुभाष चन्द्र शर्मा एडवोकेट, पंकज कुमार एडवोकेट, विधि राजमूर्ति आदि रही।

मनजोत की आत्मा करे पुकार इंसाफ दो गहलोत सरकार की मांग को लेकर निकाला केंडिल मार्च

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - गत 3 अगस्त को राजस्थान के कोटा शहर में मारे गए उत्तर प्रदेश के रामपुर शहर से ताल्लुक रखने वाले मनजोत छाबड़ा के कातिलों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर माई वे ह्यूमन वे वेलफेयर सोसायटी के आह्वान पर विभिन्न सामाजिक धार्मिक व मनजोत के पारिवारिक सदस्यों द्वारा स्थानीय लेयर वैली से लेकर भाई रणधीर सिंह नगर ई ब्लॉक गुरुद्वारा साहिब तक कंडिल मार्च निकालते हुए गहलोत सरकार होश में आओ मनजोत के कातिलों को गिरफ्तार करो, मनजोत की आत्मा करे पुकार इंसाफ दो गहलोत सरकार के स्लोगन लिखे पोस्टर उठाए हुए थे। माई वे की प्रमुख अर्जींदर कौर ने बताया की मनजोत छाबड़ा उनकी ननद का बेटा था। पढ़ने लिखने में बहुत ही होशियार था व उसका लक्ष्य एक बेहतरीन डॉक्टर बनकर अपने गृह नगर मिल्क जिला रामपुर में जरूरतमंदों की सेवा के लिए बड़ा अस्पताल खोलने का था व मेडिकल कोर्स में दाखिले की तैयारी हेतु हत्या से 3 महीने पहले वो कोटा के उक्त हॉस्टल में गया था लेकिन दुर्भाग्यवश 3 अगस्त को शरारती तत्वों ने साजिश रचकर उसकी हत्या कर दी और अफसोस कि बात है। वहाँ का स्थानीय प्रशासन इस घटना पर पर्दा डालकर इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश करता रहा लेकिन जब अन्य सामाजिक संगठनों ने डटकर आवाज बुलंद की तब हत्या की धाराएं लगाकर आधा दर्जन लोगो को नामजद किया गया लेकिन आज एक सप्ताह बीतने के बावजूद अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नही हुई और पुलिस आरोपियों को बचाने के लिए जांच के नाम पर टाल मटोल कर रही है। अर्जिंदर कौर ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर यूपी हरियाणा उत्तराखंड दिल्ली सहित पंजाब में कई जगह प्रदर्शन हो रहे है हमारी एक ही मांग है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए?। श्री हिंदू तख्त के प्रमुख प्रदेश प्रचारक वरुण मेहता ने कहा कि पता चला कि पिछले 7 महीने के दौरान 16 अन्य विद्यार्थियों ने भी आत्महत्या की जोकि गंभीर चिंता का विषय है आखिर ऐसा क्यों हो रहा जो होनहार बच्चे उजव्वल भविष्य की कामना को लेकर वहा आते है आखिर क्यों वो आत्महत्या के लिए मजबूर होते है उसी तर्ज पर जब मनजोत छाबड़ा की हत्या हुई है ऐसे ही कहीं बाकी केसों में भी सच्चाई को छुपाया तो नही गया?। मेहता ने बताया की जल्द ही पीड़ित परिवार को साथ लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के प्रमुख इकबाल सिंह लालपुरा से मुलाकात कर इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग करेंगे। इस अवसर पर सर्वश्री परविंदर सिंह ,जसकीरत सिंह, रघुबीर सिंह सचदेवा, सुरजीत ग्रोवर, सतनाम सिंह चावला, डिंपल, वरुण शर्मा, कपिल छाबड़ा, ऋषि जैन, आत्मजीत सिंह आहूजा, जसकीरत सिंह, गुरशरण कौर, बिन्नी आहूजा, शेरू सचदेवा, कमलप्रीत कौर व अन्य भारी संख्या में उपस्थित थे।

साहिबजादों के शहीदी दिनों को ध्यान में रखते हुए पंचायत चुनाव की तारीख़ में आप सरकार बदलाव करे-गरचा

क्यूँ न लिखूँ सच
सत पाल सोनी

लुधियाना - शिरोमणि अकाली दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुखविंदरपाल सिंह गरचा ने कहा कि पंजाब सरकार ने ग्राम पंचायतों, जिला परिषदों और ब्लॉक समितियों को भंग करके चुनाव कराने की नई तारीखों की घोषणा की है। जिला परिषद, ब्लॉक समितियों के चुनाव 25 नवंबर तक होंगे और ग्राम पंचायत चुनाव 31 दिसंबर को होंगे। अकाली नेता सुखविंदरपाल सिंह गरचा ने कहा कि दुनिया भर में रहने वाले सिक्ख संगत दिसंबर के आखिरी दिनों को शहीदी दिनों के रूप में मनाती है। 20 दिसंबर से 31 दिसंबर तक कलगीधर दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह ने अपने परिवार सहित श्री आनंदपुर साहिब का किला छोड़ा था। इन दोनों में गुरु गोबिंद सिंह जी की पूज्य माता गुजरी जी, महान शहीद बाबा अजीत सिंह जी, बाबा जुझार सिंह जी, बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी शहीद हुए थे। इन दिनों के दौरान सिक्ख श्रद्धालु आनंदपुर साहिब, रोपड़, चमकौर साहिब, माछीवाड़ा, श्री फतेहगढ़ साहिब के गुरुघरों में माथा टेक कर अपने महान शहीदों को श्रद्धांजलि भेंट करते हैं। पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान भी तत्कालीन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने दिसंबर में पंचायत चुनाव कराए थे, उस समय आप नेता भगवंत मान ने शहीदी दिनों में चुनाव कराने पर सवाल उठाए थे। आज जब भगवंत मान मुख्यमंत्री हैं राज्य में उनके नेतृत्व वाली सरकार भी दिसंबर में ही पंचायत चुनाव कराने जा रही है। सभी जानते हैं कि पंचायत चुनाव में उम्मीदवार अपनी जीत के लिए हर हथकंडा अपनाते हैं, शराब, मांस और अन्य नशीले पदार्थों का प्रयोग बड़े पैमाने पर किया जाता है, जो शहीदी दिनों सिक्ख श्रद्धालुओं के दिलों को ठेस पहुंचाता है। मुख्यमंत्री भगवंत मान साब को साहिबजादों की महान शहादत को ध्यान में रखते हुए दिसंबर या जनवरी के पहले सप्ताह में पंचायत चुनाव कराने चाहिए।

एक विवाह ऐसा भी: न बैंड बाजा और न बराती, बनारस में प्रेमी युगल ने सरेराह रचाई शादी, प्यार के आगे झुका परिवार

बनारस में शनिवार को एक ऐसी शादी हुई जिसमें न बैंड बाजा, न बराती, न तो सात फेरे हुए और न ही पूजापाठ हुआ। यहां तक इस शादी में पंडित भी मौजूद नहीं थे। प्रेमी युगल ने सरेराह शादी की प्रेमी युगल ने जब एक दूजे का होने की ठानी तो परिवार की बंदिशें और समाज का डर भी बेअसर हो गया। मामला वाराणसी के लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र के गोइठहां का है। प्रेमी अपने घर से कुछ ही दूर प्रेमिका के घर आ धमका और शादी करने की बात पर अड़ गया। पहले तो प्रेमिका के घरवाले राजी नहीं हुए। घंटों चले ड्रामे के बाद परिजनों को भी उनके प्यार के सामने घुटने टेकने पड़ गए प्रेमी युगल ने सरेराह शादी की। पड़ोसी और राहगीर इसके गवाह बने। युवती की मांग में जब युवक ने सिंदूर डाला तो वहां मौजूद लोगों ने हर-हर महादेव का उद्घोष किया। सुखद एवं मंगल दांपत्य जीवन की भी कामना की। हालांकि इस पूरे प्रकरण के बाद एक नया मोड़ आ गया। युवती के परिजनों ने बेटी और दामाद से हमेशा-

हमेशा के लिए नाता तोड़ लेने की बात कही। परिजनों का कहना था कि सार्वजनिक तौर पर शादी करके सामाजिक मान्यता के लिए उन्होंने ऐसा किया।

परिजन कर रहे थे शादी का विरोध

गोइठहां के ही सजातीय युवक और युवती लंबे समय से प्रेम संबंध में हैं। दोनों अक्सर मिलते-जुलते थे। दोनों शादी करना चाहते थे लेकिन परिजन तैयार नहीं थे। शनिवार सुबह अचानक युवक अपनी प्रेमिका के घर पहुंचा और शादी की बात कही। पहले तो बात घर में रही लेकिन हंगामा होने पर परेशान युवती के परिजन दोनों को घर के बाहर सड़क ले आए। पड़ोसियों को भी बुला लिया। हंगामे की सूचना पर पुलिस भी पहुंची। महिला सिपाही को भी बुलाया गया। पूछताछ युवक और युवती शादी की जिद पर अड़े रहे। इसके बाद पुलिस और युवती के परिजनों की मौजूदगी में सरेराह दोनों की शादी कराई गई। बिना मंत्र, जाप, हवन और फेरे के दोनों ने शादी की औपचारिकताएं की। पड़ोसियों ने माला और सिंदूर लाकर दिया। युवती की मांग भरकर युवक ने उसे अपनी दुल्हन बना लिया। जयमाल और सिंदूर के दौरान वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी भी कराई। इसके बाद दूल्हा अपनी दुल्हनिया को लेकर रवाना हो गया। पुलिस ने युवती के परिजनों को किसी भी तरह शांतिभंग ना करने की हिदायत दी। थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि दोनों बालिग थे। लिहाजा दोनों की मर्जी से युवती के परिजनों ने शादी करा दी। शादी के बाद युवती युवक के घर चली गई। बाद में परिवार मंदिर से शादी करेंगे।

शिक्षिका को नहीं आया तरस: बेंच पर गिर गए बच्चे फिर भी पीटती रही, एक का हाथ तोड़ा; दो घायल

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- एटा जिले में एक शिक्षिका ने स्कूल के बच्चों को इस कदर पीटा कि तीन बच्चे गंभीर रूप से चोटिल हो गए। सूचना मिलते ही बच्चों के माता-पिता स्कूल पहुंच गए। स्कूल में हंगामा शुरू हो गया। सूचना पर पुलिस भी मौके पर आ गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एटा के मारहरा स्थित श्रीडूंगर सिंह विद्या मंदिर स्कूल की घटना है। बताया गया है कि यहां की शिक्षिका उमा ने शरारत करने पर बच्चों की बुरी तरह पीटा। एक छात्र ने बताया कि वो लोग बेंच पर गिर गए, फिर भी मैडम उन्हें पीटती रहीं। बच्चों की चीख को भी शिक्षिका ने नहीं सुना। पिटाई के दौरान तीन बच्चों को गंभीर चोटें आई है

बिहारपुर में ग्रामवासियों को मतदान करने के लिए जागरूक किया

क्यूँ न लिखूँ सच
रामचंद्र जायसवाल

सूरजपुर- पंडों ग्राम बिहारपुर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर के छात्रों एवं स्कूली छात्रों के माध्यम से रैली निकालकर पंडों ग्राम बिहारपुर में ग्रामवासियों को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया और अधिक से अधिक संख्या में लोग मतदान करें इसके लिए प्रोत्साहित किया गया इसी कार्यक्रम के तहत कालेज कैंपस में ईवीएम मशीन दिखाकर वोट डालना बताया गया इस अवसर पर शासकीय नवीन महाविद्यालय चांदनी बिहारपुर के नोडल अधिकारी एवं जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्री धीरेंद्र कुमार जायसवाल के द्वारा मतदान के लिए शपथ दिलाया गया इस कार्यक्रम में जनपद सीईओ श्री रणवीर साय जी, बिहारपुर तहसील के तहसीलदार श्री संजय शर्मा जी, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर श्रीनिवास चंद्र कुशवाहा जी, ए डी ई ओ श्री जनक वर्मा, पी ओ महेंद्र कुशवाहा जी, महाविद्यालय के सभी अध्यापक गण स्कूल के सभी शिक्षक गण अन्य कर्मचारी एवं सभी छात्र छात्राएं इस रैली में हिस्सा लिये।

भाजपा किमो के पूर्व जिला अध्यक्ष प्राथमिक विद्यालय धनीपुर में तिरंगा रैली में सम्मिलित हुए

क्यूँ न लिखूँ सच
लवकुश ठाकुर

अलीगढ़-भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह धनीपुर प्राथमिक विद्यालय में तिरंगा रैली में मुख्य रूप से उपस्थित हुए यह रैली स्वतंत्रा दिवस को सफल बनाने के लिए रखी गई श्री भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम के अंत में बच्चों को संबोधित किया स्वतंत्रता दिवस के तीन भारी संख्या में उपस्थित रहने के लिए कहा गया भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रतिवर्ष स्वतंत्रा दिवस बड़े धूमधाम से स्कूलों में मनाया जाता है 15 अगस्त को इन दोनों सरकारी स्कूलों में धूमधाम से स्वतंत्रा दिवस मनाया जाएगा प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नमिता सिंह ने कहा है कि भाजपा किसान मोर्चा के नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह 15 अगस्त को अरोरा में मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे इस अवसर पर आशा चक्रवर्ती विकास बाबू पूनम गुप्ता नीति देवी आदि स्कूल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छतीसगढ़, पंजाब का तेजी से बढ़ता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर/विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

Tea sucks iron from the body, it can also have serious side effects on sleep and digestive health

Tea is one of the most favorite drinks across the world. It is beneficial or harmful for the body, it has been discussed for a long time. Some studies believe that drinking tea in moderation can be beneficial for the body, although its excess can also increase many types of health problems. If you drink tea in excess on a daily basis, it can cause side effects like anxiety, sleep problems and headaches. Research has found that compounds in tea may affect the body's absorption of certain nutrients, chief among them iron. Let us know what can be the side effects of drinking excessive amount of tea on a daily basis, for which all people need to be alert. Tea reduces the absorption of iron – the most talked about side effects of tea are The

effects on iron are major. The researchers found in the study that tea is a rich source of compounds called tannins. Tannins bind with the iron in some foods, so it can affect the absorption of iron in your digestive tract. There is a risk of anemia due to lack of iron in the body, due to which there can be many problems including fatigue and weakness. In such a situation, people who are already deficient in iron should reduce the consumption of tea. Its effect on sleep- Since tea naturally contains caffeine, excessive consumption of it can disrupt your sleep cycle. Research shows that caffeine can inhibit melatonin production, resulting in poor sleep quality. Melatonin is a hormone that signals your brain that it is time to sleep. Inadequate sleep is linked to a variety of mental and physical health problems. Heartburn and acid reflux – The caffeine in tea can make you more prone to heartburn. Research shows that caffeine increases the production of acid in the stomach, which can lead to acid reflux and heartburn. The team of researchers found that people who often have heartburn or stomach problems, if they consume caffeine in excess, it may cause the symptoms to worsen. Risk of pregnancy complications - caffeine during pregnancy High levels can increase your risk of complications, from miscarriage to low birth weight. There is no clear data on the risks of caffeine during pregnancy and it is still not clear how much is safe. However, most research suggests that the risk of complications is relatively low if you keep your daily caffeine intake below 200-300 mg.

Is your child a victim of bullying? Understand these signs and protect like this

Children often become victims of bullying in school or college. This bullying can be physical,

verbal or cyber. Such children often suffer silently. Often incidents of bullying with children come to the fore in school, college or coaching centers. Children tease each other, show bullying at a young age, emotionally torture each other. Earlier bullying was limited to pranks, pushing, teasing and leg pulling, but now it has become emotional, sexual and even cyber bullying. Children who bully others may have been victims of a weak mentality themselves, or may have grown up seeing a similar environment in the family, so they find a victim and take it out on. Many children have a tendency to control or lord it over others, so that they see themselves as powerful and big. Such children think that their behavior is normal, they are just having fun, but their fun turns out to be very serious for others and they do not even realize their mistake. What is the reason? Many children are mentally weak. Taking advantage of their weakness, other children molest them. Sometimes children are bullied because of gender, colour, caste etc. Apart from this, children who do not get much love or attention at home, or there are frequent conflicts in the family, they feel lonely inside and become irritable. Such children do more bullying. Some children bully their siblings at home, so they behave in the same way in school. Understand the signs – when the child starts refusing to go to school. When he complains of stomach ache or any other physical problem. At home, the child starts keeping quiet or does not do daily activities with the mind. How does the child talk, is there any problem in his communication? He doesn't remain fearful, does he? Being upset or withdrawing, especially after looking at the phone, computer or device, he starts to panic. Avoid this If physical bullying is happening with your child, then you stand with him, pay attention to his physical changes. Be her friend and try to boost her confidence. You can give him behavior therapy to get him out of the past. Many times children are not able to tell such things to the home or teachers. In such a situation, parents try to understand the child by getting involved in his activities, listen to him and ask him how he wants to deal with the situation. If needed, talk to the counselor and also visit the child's school. When the child is at home, do activities that they enjoy. Research the social media platforms the child uses and understand how they can use the block and report tools to combat cyberbullying. Meditation, music and counseling help children a lot. After class 6...- Child psychologist Dr. Anjali Gupta says, Bullying mostly happens after class 6, because children change their schools after fifth. This age is 9-12 years. When a child comes from another city or takes admission in one school to another, then there is more atmosphere of bullying at that time. Sometimes elders also bully children, which leaves such a deep impact on them that even after growing up, a kind of fear appears in their nature. They can't get over the past and they don't trust anyone. Such children start being very depressed about relationships and then live a life of tension.

If you are troubled by thinness, then make these foods a part of the diet, weight will increase rapidly

How To Gain Weight It is very important to have a balanced weight to stay healthy. Where many people are troubled by the increasing weight, then low weight also becomes a cause of trouble for the people. Sometimes there is a feeling of embarrassment due to thinness. In such a situation, we will tell you in this article what things you should include in the diet to gain weight. Rice is high in calories, which is helpful in weight gain. Walnuts contain healthy fats. This is a healthy option for weight gain. If you are troubled by thinness, then include protein-rich foods in the diet. Obesity is a common problem these days. People suffer from many serious diseases due to weight gain, while losing weight is also harmful for health. Many people believe that having a lean and thin body means that you are healthy, but it is not so. You may also be bothered by health problems due to being underweight. If you are also troubled by leanness, you can gain weight with the help of these foods. So let's know, which foods should be made a part of the diet for weight gain. Rice - Rice can help in rapid weight gain. It is high in calories. The best part is that it is easy to cook and can be mixed with any vegetable. You can also add some curry or beans to your rice. Walnuts- Walnuts contain healthy fats. Which are beneficial for the muscles. You can eat it as a snack. If you want, you can also include almonds, cashews in the diet. Eat meat- If you are trying to gain weight, then eat protein-rich foods. Include eggs, fish and meat in the diet. Protein is found in plenty in it. Milk- Milk rich in nutrients is very beneficial for health. This is a great option for gaining weight. Calcium, protein, carbs etc. are found in it, which is helpful in building muscles.

It also makes your bones and teeth strong. Increase the amount of calories in food- Include high-calorie snacks in the diet. For this, paneer sticks, milkshakes, muffins, dry fruits, curd etc. are healthy options. Starchy vegetables- If you want to gain weight, then include food items with more carbs and calories in your diet. Corn, potatoes, beans and sweet potatoes are some of the best sources of starch, which can help you gain weight.

Tara Singh's craze in the audience continues even after 22 years, 4-5 tractors full of fans reached the theater to watch the film

Actor Sunny Deol's film 'Gadar 2' has been released in theaters on August 11. Even after 22 years, the same craze is being seen in the hearts of fans for Tara Singh. Bollywood actor Sunny Deol's film 'Gadar 2' has been released in theaters on August 11. Even after 22 years, the same craze is being seen in the hearts of the fans for Tara Singh. All the shows of the film remained houseful on the very first day. On the opening day, the film has made a grand collection of Rs 40 crores. Ameesha Patel and actor Utkarsh Sharma are also seen in important roles in this film directed by Anil Sharma. Fans got to see the iconic pair of Tara Singh and Sakina once again on screen after 22 years. Meanwhile, a video is becoming increasingly viral on social media, after seeing which it can be inferred that the craze for Sunny Deol in the hearts of people is still intact as before. Netizens expressed their reaction on the viral video A video of INOX of City Center Mall in Bhilwara district of Rajasthan is becoming increasingly viral on the internet. In this viral video, Sunny Deol's fans reached the theaters with tractors, shouting slogans of Hindustan Zindabad. Around 5 tractors were seen entering the mall premises. Social media users are fiercely sharing their reactions on this video going viral. One user wrote, "Huge obsession." Whereas, another reacted to this by writing, "Ye craze humne bhi dekha hai aapne hamare wahan ye to trailer hai wahan to the theater in front of GT road jam ho tha ya film deserve bhi karti hai yeh level k a craze So many tickets sold in 24 hours - Produced by Zee Studios, Anil Sharma Productions and MM Movies, 'Gadar 2' stars Sunny Deol, Ameesha Patel and Utkarsh Sharma, Manish Wadhwa, Gaurav Chopra, Luv Sinha, Simrat Kaur, Mir Stars like Sarwar, Rohit Chowdhary, Rakesh Bedi are in the lead roles. The songs of 'Gadar 2' are penned by Mithun, while its music is composed by Monty Sharma. The first part of the film was a huge success among the Indian audience and now ' 'Gadar 2' has broken several records after selling over 20 lakh tickets in just 24 hours.

Sara Ali Khan repented from remake, said – some films should not even be touched

Making remakes of hit films is not a new thing in Bollywood. All the stars happily work in it. New stars enthusiastically agree to remake old hits. But, on the other hand, Sara Ali Khan has refrained from working in remake films. So Sara Ali Khan has worked in remake films like 'Coolie No. 1' and 'Love Aaj Kal'. But, now he has decided not to work in the remake. Sara Ali Khan has now decided not to sign any remake. He has also given the reason for this. Recently during an interview, Sara was asked if she would like to work in the remake of any of her mother Amrita Singh's films? To this, the actress said that she has done two remakes so far and she has learned the lesson that some films should not even be touched. Sara further said that even though she looks like her mother, she cannot act like her. Are. At the same time, the media will not let her get away with this and she does not want to. Sara Ali Khan was last seen in the film 'Zara Hatke Zara Bachke'. In this she appeared opposite Vicky Kaushal and the film did very well at the box office. The actress made a special appearance in the newly released Karan Johar's Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani. Sara has many exciting projects lined up in the coming days. She will be seen in the film 'Murder Mubarak' alongside Karisma Kapoor and Sanjay Kapoor. Apart from this, she also has the film 'Metro...In Dinon' in her kitty, in which she will share the screen with Aditya Roy Kapur. At the same time, Sara will also be seen in Karan Johar's production 'Ae Watan Mere Watan'.

Pankaj Tripathi fainted after this scene in 'Agneepath', know why this happened

Pankaj Tripathi is everywhere these days. His film OMG has been released in theaters on the previous day. In this film, he played the role of Kanti Sharan Mugdal, a devotee of Lord Shiva. Pankaj Tripathi's character in this film is very much liked by the audience. Although Pankaj Tripathi's character has been liked not only in this film but also in many other films and series. The actor has had some iconic roles like Kaleen Bhaiya in Mirzapur, Madhav Mishra in Criminal Justice and Sultan Qureshi in Gangs of Wasseypur. Apart from this, he has also played the role of villain in Hrithik Roshan's film Agneepath, which was liked by the fans. He played the role of an assistant to the dreaded villain Kancha Cheena. Now recently Pankaj Tripathi has revealed that he was holding his breath for a long time for a scene in the film and fainted on the set. During a recent interview, Pankaj Tripathi recalled the scene when he was stabbed on the sets of Agneepath. Pankaj Tripathi said, 'I had to be stabbed 3-4 times in that scene. At that time I held my breath because I did not know how a person feels when he is stabbed. If you watch that scene carefully, you will see that my eyes are red in it. The actor said that to make the scene look real, he held his breath for a long time without thinking and fainted. He said, 'I remember falling unconscious in the second or third take. While the camera was rolling, there was a blackout around me and I collapsed because I held my breath for too long. So, some people came to pick me up and when I woke up, I saw that many people were surrounding me.' The film Agneepath, released in the year 2012, was a remake of Amitabh Bachchan's film of the same name released in 1990. It won Bachchan a National Award in the Best Actor category and is considered one of the best films made in the 1990s. The 2012 remake starred Priyanka Chopra in the lead role. After Agneepath, Pankaj Tripathi appeared in his breakthrough role of Sultan Qureshi in Anurag Kashyap's Gangs of Wasseypur the same year. Apart from this, he is currently in the limelight for working with Akshay Kumar in OMG 2.

Gal Gadot could not become Wonder Woman again on her own, Alia Bhatt's character also disappointed

Heart of Stone Starring Gal Gadot, Alia Bhatt, Jamie Dornan, Sophie Okonedo and Matthias Schweighofer Writers Greg Rucka and Alison Schroeder Director Tom Harper Producers David Ellison, Dana Goldberg and Gal Gadot Release August 11, 2023Cinema is a habit that's repeated It is very difficult to get exemption. While watching 'OMG 2' on Thursday night and then 'Gadar 2' this morning, Alia Bhatt was seen at least six times before the start of the film and then during the interval. These days, she has become the brand ambassador of an effective indigenous toothpaste, explaining the strengthening of the gums by biting an apple. He is getting applause for the film 'Rocky and Rani Ki Prem Kahani'. Karan Johar has already got the money to make the film, the real account book is in trouble for those people whose money is involved in this film. Who knows, after 10 years, Karan Johar will also 'reveal' like Anurag Kashyap that his film was also a loss deal for Viacom 18 like 'Gangs of Wasseypur'. Well, we were talking about Alia Bhatt. And, since a long time I wanted to see Alia Bhatt's first Hollywood film 'Heart of Stone' as soon as it releases. However, the reason for this was not her but Gal Gadot, who has been tempting as Wonder Woman for a long time. By the way, it is said that his name is of Hebrew language and its correct pronunciation should be Gal Gado. Gal Gadot's fast fluttering flame - Gal Gadot's previous film 'Red Notice' was released on Netflix. From that film to this film he was 'Shaizem! Fury of the Gods', 'The Flash' and 'Fast Ten'. 'Heart of Stone' is his last performance of the year. And rightly so. Now at least in their affair, there will be no excuse to watch another Hollywood movie on Netflix. Those who know Gal Gadot know that she is from Israel. Has given services considered mandatory in the army there. India's Tanushree Dutta was at number nine in the 2004 Miss Universe contest, in which her name did not even make it to the top 10 list. But the 'Fast and Furious' franchise changed her life and by becoming 'Wonder Woman', she became the favorite actress of millions of fans across the globe. How long her journey in DC Comics films will be is indicated by the fact that she has now started making a lot of OTT films keeping herself at the center point. Story of Dage Huye Kartoos Si film - Dhanush, Priyanka Chopra and Anil Considering the type of characters stars like Kapoor get in Hollywood films, I was not expecting Alia Bhatt to do a shocking role anyway in 'Heart of Stone', I was expecting Gal Gadot to do something shocking. Will not repeat the mistake of 'Red Notice' this time. Meaning that at least the story will be chosen which has international appeal and which has some novelty. But, the cartridges she brought this time also turned out to be tainted. How Gal Gadot even thought of repeating the feat that Tom Cruise does in each of his 'Mission Impossible' series, is a matter to ponder. There is an international organization called Chapter here which keeps the world from falling into trouble. One of his agents, Stone, manages to sneak into MI6, but his identity is soon revealed. All the work of the chapter is done from a data bank kept in a satellite named, Heart. With the help of this data bank, the chapter can keep an eye on the whole world. This is what Kaya Dhawan of Pune is trying to achieve, whose parents die during a test in a medical lab. He has to take revenge on the owner of this lab. She is a computer master, just like the film's heroine Stone. 'Professor Pyarelal' 1981 - Repeat - As soon as the plot of the film 'Heart of Stone' is ready, it is understood that the makers of the film have made the first attempt. So done. But, the hope remains that the film's director Tom Harper might pull off something shocking in the way it is presented and get some return for the two hours of time invested in watching the film.